सुविचार

विचार व्यक्तित्व की जननी है, जो आप सोचते है, बन जाते है ।

तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल का मासिक ई - न्यूजलेटर

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएँ ।

tarangnews2024@gmail.com | माह- जनवरी 2026 | अंक - 31 वां

'तरंग' नववर्ष अंक

प्राचार्य की कलम से

नववर्ष केवल तिथि का परिवर्तन नहीं, बल्कि चिंतन, संकल्प और नवचेतना का उत्सव है। समय की धारा में एक नया पड़ाव हमें ठहरकर पीछे देखने, वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए नयी दिशा तय करने का अवसर देता है। **'तरंग'** का यह नववर्ष अंक इसी भावबोध के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत है।

बीते वर्ष ने हमें अनेक अनुभव दिए-कुछ ने हौसला बढ़ाया, कुछ ने सीख दी। शैक्षणिक गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों, शोध, रचनात्मक प्रयासों और विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने हमारे महाविद्यालय की जीवंतता को नयी पहचान दी। इन सभी प्रयासों की सामूहिक ऊर्जा ही 'तरंग' है - जो निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

'तरंग' का यह अंक महाविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों और सृजनात्मक प्रयासों का दस्तावेज है। यह न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि संवाद और सहभागिता का सेतु भी है। हमें विश्वास है कि यह अंक पाठकों को प्रेरित करेगा और नए विचारों की तरंगें उत्पन्न करेगा।

नववर्ष के अवसर पर हम सभी पाठकों, लेखकों, संपादकीय सहयोगियों तथा समस्त महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं।

आइए, इस नववर्ष में हम ज्ञान, सृजन और सेवा के पथ पर नई ऊर्जा के साथ अग्रसर हों।

नववर्ष मंगलमय हो ।

डॉ. संजय कुमार जैन
प्राचार्य

संपादकीय

समय की गति कभी रुकती नहीं। हर नववर्ष हमारे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत लेकर आता है- जहाँ अतीत के अनुभव मार्गदर्शन करते हैं और भविष्य की संभावनाएँ हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। यह अवसर है आत्मचिंतन का, अपने संकल्पों को नयी दिशा देने का और बेहतर कल की ओर कदम बढ़ाने का ।

विगत वर्ष महाविद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और सामाजिक पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के निरंतर प्रयास किए गए। इन उपलब्धियों ने न केवल संस्थान की पहचान को सुदृढ़ किया, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास किया।

नववर्ष हमें यह स्मरण कराता है कि निरंतर सीखना, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना और समय के साथ स्वयं को परिष्कृत करना ही सफलता का मूल मंत्र है। आइए, हम सभी ज्ञान, अनुशासन और संवेदनशीलता के मूल्यों को आत्मसात करते हुए महाविद्यालय को नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हों।

इन्हीं आशाओं और शुभकामनाओं के साथ **'तरंग'** का यह नववर्ष अंक आप सभी को समर्पित है। यह वर्ष आपके जीवन में नई उपलब्धियाँ, सृजनशीलता और संतोष लेकर आए - इसी मंगलकामना के साथ।

आओ, नूतन वर्ष का अभिनंदन करें,
मृदु भावों से सबका वंदन करें,
बीते वर्ष की भुलाकर सारी कड़वाहटें,
मनुहार से, रिश्तों को चंदन करें ।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

डॉ. सुषमा जादौन
संपादक

प्रथम प्राचार्य स्व. डॉ. डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण माननीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर जी द्वारा किया गया

25/12/2025 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के आईक्यूएसी सेमीनार हॉल में प्रथम प्राचार्य डॉ. डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण माननीय श्रीमती कृष्णा गौर जी, मंत्री म.प्र. शासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय श्रीमती कृष्णा गौर जी ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियाँ होती हैं। डॉ. जैसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया, परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार, प्राचार्य डॉ. संजय जैन, जनभागीदारी समिति सदस्य श्री तेजसिंह ठाकुर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने अपने श्रृद्धा सुमन पुष्पांजलि के रूप में अर्पित किए।

उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नवीन भवन में स्थित एक सभागार का नाम महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य **डॉ. डी. वी. जैसवाल सभागार** के रूप में किया गया है। इस निर्णय की माननीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर जी ने बहुत प्रशंसा की है।

वर्ष 1984 में डॉ. जैसवाल को एक ऐतिहासिक दायित्व सौंपा गया- **शासकीय भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य के रूप में संस्थान की स्थापना और संचालन।** यह कार्य अनेक चुनौतियों से भरा हुआ था, किंतु डॉ. जैसवाल ने अद्भुत धैर्य, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के साथ इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने जिस मजबूत नींव की स्थापना की, उसी का सुदृढ़ परिणाम आज हम इस महाविद्यालय को प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में देख पा रहे हैं।

भेल कॉलेज में अपने सफल कार्यकाल के उपरांत भी डॉ. जैसवाल राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से निरंतर जुड़े रहे। उन्होंने संयुक्त संचालक, अपर संचालक, समन्वय समिति के अध्यक्ष तथा राज्य यूजीसी (State UGC) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा नीति, गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।

डॉ. जैसवाल एक महान गणितज्ञ थे। फिबोनाची श्रेणी पर किया गया उनका शोध आज भी वैश्विक स्तर पर विद्वानों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका शैक्षणिक योगदान कालजयी है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। उनके कई शिष्य आज न केवल मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, बल्कि देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी महत्वपूर्ण संस्थानों का नेतृत्व भी कर रहे हैं। यह उनके शिक्षक रूप की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

डॉ. डी. वी. जैसवाल एक सच्चे मानवतावादी थे। सरलता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाता है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। आज वे हमारे बीच शारीरिक रूप से भले ही न हों, किंतु उनके विचार, मूल्य और कार्य सदैव जीवित रहेंगे। विशेष रूप से मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के विकास में उनका योगदान अमिट और अविस्मरणीय है। यह महाविद्यालय परिवार अपने प्रथम प्राचार्य डॉ. डी.वी.जैसवाल के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा ।

महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य स्व. डॉ. डी. वी. जैसवाल- जीवन परिचय

स्व. डॉ. डी. वी. जैसवाल शिक्षा-जगत की एक ऐसी विभूति थे, जिनका संपूर्ण जीवन ज्ञान, सेवा और मानवीय मूल्यों को समर्पित रहा। वे न केवल एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् और गणितज्ञ थे, बल्कि एक दूरदर्शी प्रशासक और संवेदनशील मानवतावादी भी थे, जिन्होंने मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डॉ. जैसवाल का जन्म वर्ष- 1936 में उत्तरप्रदेश के एटा जनपद में एक ऐसे परिवार में हुआ, जो विद्वत्ता और बौद्धिक चेतना के लिए जाना जाता था। प्रारंभ से ही उनमें अध्ययन और चिंतन की गहरी रुचि दिखाई देती थी। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से पूर्ण की और शिक्षा के क्षेत्र को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया।

लगभग 1955 - 56 में उन्होंने मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रारंभ की। अपने ज्ञान, अनुशासन और समर्पण के कारण वे शीघ्र ही विद्यार्थियों और सहकर्मियों के बीच अत्यंत सम्मानित हुए।

वर्ष- 1984 में उन्हें एक ऐतिहासिक दायित्व सौंपा गया—भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य के रूप में संस्थान की स्थापना और संचालन। यह कार्य अनेक चुनौतियों से भरा हुआ था, किंतु डॉ. जैसवाल ने अद्भुत धैर्य, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के साथ इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने जिस मजबूत नींव की स्थापना की, उसी का सुदृढ़ परिणाम आज हम इस प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में देख पा रहे हैं।

भेल कॉलेज में अपने सफल कार्यकाल के उपरांत भी वे राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से निरंतर जुड़े रहे। उन्होंने संयुक्त संचालक, अपर संचालक, समन्वय समिति के अध्यक्ष तथा राज्य यूजीसी (State UGC) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा नीति, गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।

डॉ. जैसवाल एक महान गणितज्ञ थे। फिबोनाची श्रेणी पर किया गया उनका शोध आज भी वैश्विक स्तर पर विद्वानों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका शैक्षणिक योगदान कालजयी है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। उनके असंख्य शिष्य आज न केवल मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, बल्कि देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी महत्वपूर्ण संस्थानों का नेतृत्व भी कर रहे हैं। यह उनके शिक्षक रूप की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

डॉ. डी. वी. जैसवाल एक सच्चे मानवतावादी थे। सरलता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाता है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है।

आज वे हमारे बीच शारीरिक रूप से भले ही न हों, किंतु उनके विचार, मूल्य और कार्य सदैव जीवित रहेंगे। विशेष रूप से मध्यप्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के विकास में उनका योगदान अमिट और अविस्मरणीय है।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल परिवार तथा समस्त शिक्षा जगत की ओर स्व. डॉ. डी. वी. जैसवाल को शत-शत नमन।

उनकी स्मृति सदैव इस संस्था को प्रेरणा देती रहेगी।

दो दिवसीय NIRF कार्यशाला में सहभागिता

01 - 02/12/2025 उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल के पत्र क्रं. 3929 / 2025 दिनांक- 28/11/2025 के परिपालन में **'एन.आई.आर.एफ. आधारित गुणवत्ता एवं नवाचार की दिशा में संस्थागत उत्कृष्टता'** विषय पर दिनांक- 01 दिसंबर एवं 02 दिसंबर 2025, दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में महाविद्यालय से डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, आईक्यूएसी समन्वयक एवं डॉ. अर्चना गौर, प्राध्यापक समाजशास्त्र ने सहभागिता की ।

परियोजना कार्य से संबंधित परिचर्चा

01/12/2025 महाविद्यालय के कक्ष क्रं. 27 में समाजशास्त्र विभाग के बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा परियोजना कार्य से संबंधित परिचर्चा की गई। जिसमें बी.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को परियोजना कार्य के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया ।

'प्रज्ञा प्रवाह' के सौजन्य से 'स्व से साक्षात्कार' विषय पर विमर्श का आयोजन

02/12/2025 महाविद्यालय के **'भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ'** द्वारा **'प्रज्ञा प्रवाह'** के सौजन्य से **'स्व से साक्षात्कार'** विषय पर एक सार्थक एवं ज्ञानवर्धक विमर्श का आयोजन आईक्यूएसी सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं प्राध्यापको को भारतीय दर्शन में वर्णित **'स्व'** की संकल्पना, आत्म-जागरूकता, नैतिक मूल्यों, आत्म-अनुशासन तथा मूल्यपरक जीवन-दृष्टि से परिचित कराना था, जिससे वे व्यक्तिगत, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्तर पर संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व विकसित कर सकें। 'भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ' प्रभारी डॉ. समता जैन ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए 'भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ' की गतिविधियों एवं इस विमर्श की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ताओं डॉ. सविता सिंह भदौरिया एवं श्री दीपक मिश्रा ने भारतीय ज्ञान परंपरा में **'स्व'** के दार्शनिक, आध्यात्मिक एवं व्यवहारिक आयामों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए आत्मचिंतन, मूल्य-परक शिक्षा, सांस्कृतिक बोध, समाज–व्यक्ति संबंध तथा चरित्र निर्माण जैसे-विषयों पर प्रेरक और स्पष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित डॉ. अंजना अग्रवाल, डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. मीता बादल, श्रीमती प्रीति जौहरी, श्रीमती चित्रा खरे, डॉ. सविता डेहरिया, श्रीमती डॉली खटवानी, श्रीमती आरती पटेल, श्रीमती पूनम वरवड़े, श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा आदि की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही, जिन्होंने कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह सम्पूर्ण आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में तथा डॉ. चारूलता राठौड़ मैडम के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान हुए संवाद-सत्र में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मुख्य वक्ताओं ने सुझाव रखा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं भारतीय ज्ञान परंपरा की समझ को सुदृढ़ करने हेतु ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन प्रत्येक माह किया जाना चाहिए। समग्र रूप से यह विमर्श अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरक एवं जीवन-दृष्टि को समृद्ध करने वाला सिद्ध हुआ।

विद्यार्थियों द्वारा दी गई फील्ड प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी

02/12/2025 बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान फील्ड प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

'आपकी पूँजी आपका अधिकार' अभियान के अंतर्गत मार्गदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम

04/12/2025 कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा के पत्र क्रमांक- 174/2025 भोपाल दिनांक- 28/11/2025 के परिपालन में **'आपकी पूँजी आपका अधिकार'** अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के शैक्षणिक, अशैक्षणिक तथा विद्यार्थियों के लिए निष्क्रिय वित्तीय खातों का नियमितीकरण हेतु मार्गदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम महाविद्यालय के IQAC सभागार में आयोजित किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन एवं डॉ. चारूलता राठौड़ की उपस्थिति में तथा डॉ. आर. के. शर्मा के संयोजन में उक्त कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. अनुपमा यादव, डॉ. अर्चना गौर, श्रीमती शालिनी तिवारी, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, श्रीमती चित्रा खरे, डॉ. दीक्षा बर्डे, डॉ. सविता डेहरिया एवं श्रीमती अनुपमा गीते तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों ने दिया प्रेजेंटेशन

05/12/2025 महाविद्यालय के एम.ए. प्रथम सेमेस्टर राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण विषयों पर डॉ. अनुपमा यादव, प्राध्यापक राजनीति विज्ञान एवं सुश्री अनु ठाकुर, अतिथि विद्वान, राजनीति विज्ञान की उपस्थिति में प्रेजेंटेशन दिया गया ।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'अवसाद- एक अदृश्य संघर्ष' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

06/12/2025 महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'अवसाद- एक अदृश्य संघर्ष' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । व्याख्यान में डॉ. दीपा जैन, मानसिक रोग चिकित्सक, बौद्धिक दिव्यांगता और न्यूरोडाइवर्स स्थितियों में विशेषज्ञ मनोचिकित्सक नेशनल हेल्थ सर्विस (इंग्लैंड) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुई । मुख्य वक्ता डॉ. दीपा जैन के द्वारा अपने व्याख्यान में बताया कि अवसाद एक ऐसी बीमारी है, जिसके बारे में कई बार रोगी और उसके आसपास के रिश्तेदारों एवं दोस्तों को ही पता नहीं चल पाता, और वह धीरे-धीरे अंतिम स्टेज पर पहुँच जाता है, जिसका परिणाम कई बार हत्या और आत्महत्या तक होता है, जो खुद व्यक्ति एवं समाज के लिए घातक है। हमें सतर्क रहना होगा और इस अवसाद के बारे में जानना होगा । उन्होंने इसके लक्षण उपाय एवं परिणामों पर प्रकाश डाला एवं भारतीय समाज में होने वाली इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों की आत्महत्या के कारण एवं आंकड़ों पर भी चर्चा की । डॉ. दीपा जैन के द्वारा विद्यार्थियों को हेल्पलाइन नंबर भी बताए गए । डॉ. दीपा जैन से बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत तौर पर अपनी समस्याओं को बताया गया, जिसका समाधान उनके द्वारा किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारुलता राठौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें अवसाद को पहचानना होगा और इसके निदान के उपाय करने होंगे। व्याख्यान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ.चारूलता राठौड़ के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में एवं संयोजक डॉ. अर्चना शर्मा, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग के नेतृत्व में आयोजित किया गया। डॉ. अर्चना गौर, प्राध्यापक समाजशास्त्र के द्वारा मंच संचालन किया गया एवं डॉ. सविता कुमारी डेहरिया, सहायक प्राध्यापक हिन्दी ने मुख्य वक्ता डॉ.दीपा जैन, आयोजन समिति की संयोजक एवं सदस्यों, व्याख्यान में उपस्थित समस्त स्टॉफ एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, क्रियान्वयन, चुनौतियाँ और संभावनाएँ' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता

07/12/2025 माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की अध्यक्षता में **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, क्रियान्वयन, चुनौतियाँ और संभावनाएँ'** विषय पर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर भोपाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में महाविद्यालय से डॉ. आर. के. शर्मा, डॉ. कमलेश सिंह नेगी, डॉ. दीक्षा बर्डे, डॉ. संजय बाणकर, डॉ. सविता कुमारी डेहरिया, डॉ. अनुपमा यादव, डॉ. अनुराधा दुबे, डॉ. अर्चना शर्मा, श्रीमती प्रतिभा डेहरिया एवं डॉ. नवीन कुमार मालवीय ने सहभागिता की ।

जिला स्तरीय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता में सहभागिता

08/12/2025 महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में एवं क्रीड़ा विभाग के श्री फिरोज खान, अतिथि विद्वान के नेतृत्व में महाविद्यालय की क्रिकेट टीम, पुरूष इकाई ने जिला स्तरीय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता 2025-26 में सहभागिता की ।

राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा किया गया एक दिवसीय 'दिवा शिविर' का आयोजन

09/12/2025 **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** की संयुक्त इकाई द्वारा एक दिवसीय **'दिवा शिविर'** का आयोजन संकल्प वृद्धा आश्रम एवं नशा मुक्ति केंद्र अवधपुरी भोपाल में किया गया। शिविर का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन एवं डॉ. अर्चना गौर, प्राध्यापक समाजशास्त्र, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता चौहान के नेतृत्व में किया गया।

संकल्प वृद्ध आश्रम

प्रथम चरण - इस शिविर में स्वयंसेवकों ने वृद्धजनो से संपर्क स्थापित कर उनकी दिनचर्या के बारे में जानकारी ली और उनके आश्रम आने का कारण, कब से रह रहे हैं। परिवार से संपर्क है या नहीं अगर संपर्क है तो उन्होंने जानकारी दी कि वे त्योहारों, विवाह इत्यादि के समय अपने परिवारजनों से मिलने जाते हैं। साथ ही परिवार के लोग उनसे मिलने भी आते हैं। श्री भूपेंद्र सिंह व्यवस्थापक, श्री रमेश राव, संकल्प नशा मुक्ति केंद्र के मैनेजर ने स्वयंसेवकों को जानकारी दी कि वृद्धजनों को डॉक्टर नियमित रूप से चेकअप करने आते हैं। आश्रम में उनको घर जैसा वातावरण मिलता है। वृद्धजनों को पास के मंदिर जाने की अनुमति दी गई है। उन्हें आश्रम में अच्छा भी लगता है। वे अपनी स्वेच्छा एवं उन्हें परिवारजनों द्वारा यहाँ छोड़ा गया है। स्वयंसेवक उनसे मिलकर बहुत प्रसन्न हुए।

संकल्प नशा मुक्ति केंद्र

द्वितीय चरण - स्वयंसेवक संकल्प नशा मुक्ति केंद्र में जाकर रोगियों से मिले और उनसे जानकारी ली कि उन्हें नशे की आदत छुड़ाने के लिए परिवार से कोई व्यक्ति लेकर आया है अथवा स्वयं आए है, इत्यादि के बारे में पूछा। नशा मुक्ति केंद्र की नर्स लक्ष्मी कुर्मी रोगियों को दवाइयों का वितरण एवं देखरेख करती हैं। श्री रोहित बघेल काउंसलर है, जो रोगियों को नशे की लत में संलग्न व्यक्तियों को नशा न करने की सलाह, इससे पारिवारिक कलह, स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, के बारे में समझाते हैं। उक्त एक दिवसीय **'दिवा शिविर'** में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। इस प्रकार **'दिवा शिविर'** कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

'मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

10/12/2025 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा **'मानवाधिकार दिवस'** के अवसर पर **'मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय'** विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया । विचार संगोष्ठी में डॉ. अनुपमा यादव, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान एवं सुश्री अनु ठाकुर, अतिथि विद्वान राजनीति विज्ञान एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे ।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा फील्ड प्रोजेक्ट कार्य

10/12/2025 महाविद्यालय के बी.ए. प्रथम वर्ष के फील्ड प्रोजेक्ट के विद्यार्थियों का पूर्ण उत्साह एवं उल्लास के साथ प्रोजेक्ट कार्य किया जा रहा है ।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत महात्मा गांधी हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल में जाकर विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिये किया प्रेरित

11/12/2025 महाविद्यालय द्वारा **'कॉलेज चलो अभियान'** के प्रथम चरण (दिनांक 5 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक) के अंतर्गत **महात्मा गांधी हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल** में कक्षा-12वीं के विद्यार्थियों से सक्रिय संपर्क किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जुड़ी विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई।

इस अभियान में महाविद्यालय की टीम द्वारा निम्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया-

1. **महाविद्यालय में संचालित कोर्सों की जानकारी:** कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की जानकारी विस्तार से दी गई, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार विषय का चयन कर सकें ।
2. **विद्यार्थी हितेषी योजनाएँ एवं छात्रवृत्तियाँ :** शासन एवं संस्थागत स्तर पर उपलब्ध विभिन्न छात्रवृत्तियों, निःशुल्क सुविधाओं, पुस्तकों, स्टेशनरी, फीस सहायता तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया।
3. **NEP- 2020 से संबंधित जानकारी :** नई शिक्षा नीति- 2020 के अंतर्गत बहु-विषयक शिक्षा, लचीली विषय प्रणाली, क्रेडिट ट्रांसफर, स्किल डेवलपमेंट तथा प्रमाणपत्र / डिप्लोमा / डिग्री संरचना की जानकारी विद्यार्थियों को सरल भाषा में समझाई गई।
4. **स्पोर्ट्स एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ:** महाविद्यालय में उपलब्ध खेल सुविधाएँ, एनसीसी, एनएसएस, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, कॅरियर मार्गदर्शन तथा व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों के बारे में बताया गया।
5. **लाइब्रेरी से संबंधित जानकारी:** महाविद्यालय के समृद्ध पुस्तकालय, ई-लाइब्रेरी, अध्ययन सामग्री, बुक बैंक सुविधा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपलब्ध संसाधनों की जानकारी दी गई।

इस अभियान के माध्यम से महाविद्यालय की टीम जिसमें डॉ. संजय बाणकर, डॉ. अनुपमा गीते, डॉ. जयश्री मालवीय ने इस दौरान विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी किया और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु महाविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा किया गया एक दिवसीय 'दीवा शिविर' का आयोजन

11/12/2025 को **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** की संयुक्त इकाई का SOS बालग्राम खजूरीकलाँ, भोपाल में एक दिवसीय **'दिवा शिविर'** का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशन एवं डॉ. गीता चौहान, राष्ट्रीय सेवा योजना, कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। साथ ही समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा, प्राध्यापक डॉ.अर्चना गौर भी इस शिविर में सम्मिलित हुई। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के साथ, व्यवहारिक सीख, सामाजिक जागरूकता तथा सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। शिविर में रोशनी रजक, जतिन जोशी, साधना पटेल एवं पियूष राजपूत इत्यादि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ विभिन्न, शैक्षणिक, रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियाँ की। जिनमें समूह चर्चा, खेल-कूद में कितने भाई कितने, रूमाल झपट्टा, खो-खो, साफ–सफाई, जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख रहे। संस्था के बच्चों ने सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस एक दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों में सेवा, सहयोग, नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई तथा उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील बनने का अवसर प्राप्त हुआ।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत विक्रम हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल में जाकर विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिये किया प्रेरित

12/12/2025 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में **'कॉलेज चलो अभियान'** के प्रथम चरण के अंतर्गत को महाविद्यालय की टीम द्वारा **विक्रम हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल** में कक्षा- 12 वीं के विद्यार्थियों से संपर्क स्थापित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से संबंधित विविध महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस अभियान में श्रीमती अनुपमा गीते एवं डॉ. जयश्री मालवीय द्वारा विद्यार्थियों को कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत उपलब्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का विस्तार से परिचय दिया गया, जिससे विद्यार्थी अपनी रुचि और कॅरियर लक्ष्य के अनुरूप विषय चुन सकें। शासन एवं महाविद्यालय स्तर पर उपलब्ध छात्रवृत्तियाँ, निःशुल्क स्टेशनरी एवं पुस्तक वितरण, फीस सहायता, बुक बैंक योजना तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देकर विद्यार्थियों को उनका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अंतर्गत बहुविषयक शिक्षा प्रणाली, क्रेडिट बेस्ड स्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट, मल्टी-एंट्री एवं एग्जिट सिस्टम तथा भविष्य उन्मुख शैक्षणिक संरचना को सरल भाषा में समझाया और महाविद्यालय में उपलब्ध खेल सुविधाएँ, एनसीसी, एनएसएस, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नेतृत्व विकास गतिविधियाँ एवं छात्र व्यक्तित्व विकास के अवसरों की जानकारी साझा की गई। महाविद्यालय के पुस्तकालय, ई-लाइब्रेरी, बुक बैंक, प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपलब्ध अध्ययन सामग्री एवं डिजिटल संसाधनों का परिचय विद्यार्थियों को कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उच्च शिक्षा तथा कॅरियर संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका समाधान टीम द्वारा किया गया।

'ग्राहक जागरण पखवाड़ा' के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

12/12/2025 महाविद्यालय में **'ग्राहक जागरण पखवाड़ा'** के अंतर्गत **'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019'** विषय पर केंद्रित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** के माध्यम से व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम में श्री दीपक बाबू श्रीवास्तव, प्रांत कार्यालय प्रमुख एवं श्री अनिल श्रीवास्तव, प्रांतीय उपाध्यक्ष, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए । कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण आज की महती आवश्यकता है। हम किसी न किसी रूप में ग्राहक हैं। श्री दीपक बाबू श्रीवास्तव के द्वारा अपने उद्बोधन में **'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019'** के बारे में विस्तृत रूप से बताया एवं श्री अनिल श्रीवास्तव के द्वारा **'अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत परिचय'** विषय पर अपना उद्बोधन दिया।

मुख्य वक्ता श्री दीपक बाबू श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में उपभोक्ता एवं ग्राहक के अर्थ को स्पष्ट किया। भारत के लोग मूलतः ग्राहक हैं। लेकिन हम उपभोक्ता की तरफ बढ़ रहे हैं। जानकारी के अभाव में हम भ्रामक विज्ञापनों को देखते हैं। विचार नहीं करते कि आखिर हम इसके लिए भी ग्राहक बने हुए हैं। आज हम देख रहे हैं कि हर वस्तु में मिलावट है, जितनी वस्तु हमें चाहिए मिलावट करके दुकानदार उपलब्ध करा देता है। पानी की बोतल एक निश्चित तापमान से ज्यादा होने पर खराब हो जाती है, दुकान के बाहर रखी रहती है, फ्रीज में स्थान खाली होने पर बाहर की वह पानी की बोतल फ्रीज के अंदर पहुँच जाती है और हम उसे खरीद लेते हैं। उस पानी को पीने से बीमार होने की अत्यधिक संभावना रहती है। बिका हुआ सामान वापिस नहीं होगा, इस प्रकार लिखने का कोई कानून नहीं है, फिर भी हम निरंतर ठगे जा रहे हैं।

'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019' कई तरह से ग्राहकों का पक्ष लेता है। लेकिन जागरूकता के अभाव में हम उसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इसके प्रति हमें जागरूक होना पड़ेगा। अध्याय-4 में ग्राहक को संतुष्ट करने का प्रावधान है। जिला राज्य और केंद्र स्तर पर यह व्यवस्था है। अध्याय-5 में एक मध्यस्थ सेल बनाने का प्रावधान किया है। हमारी पूरी व्यवस्था में ग्राहक की कोई चिंता नहीं करता है। ग्राहक संतुष्ट होगा तो सभी अपने आप संतुष्ट हो जाएँगे। ग्राहक की जरूरत क्या है, इसकी परवाह कोई नहीं करता है। छठवें अध्याय में उत्पादक दायित्व का प्रावधान है। अध्याय-7 में इस अधिनियम से संबंधित दंड का प्रावधान है। आज क्रीम के बिस्कुट नहीं, क्रेम के बिस्कुट मिलते हैं। अध्याय-8 इसमें ग्राहक संरक्षण के कई प्रावधान निहित हैं। ग्राहक को किसी भी एक व्यक्ति की सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। कानून हमें प्रतितोष पाने का अधिकार देता है। उपभोक्ता शिक्षा पाने का हमारा अधिकार होता है, लेकिन हम इसका उपयोग नहीं करते है। अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस के द्वारा हमें जागरूक होना है।

श्री अनिल श्रीवास्तव जी, प्रांतीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने कहा कि औद्योगिक क्रांति के बाद उपभोक्ता संबंधी कानूनों का प्रारंभ हुआ। बड़े - बड़े महानगरों से यह प्रारंभ हुआ। वर्ष- 1974 में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की स्थापना हुई। इसका उद्देश्य- **'शोषण मुक्त समाज की स्थापना'** करना है । व्यवस्था परिवर्तन करके राष्ट्र निर्माण करना है। बाजार में वही संस्था टिके, जिसे ग्राहक चाहे। ग्राहक और व्यापारी के बीच में सामंजस्य स्थापित करना है, न कि संघर्ष पैदा करना। ग्राहक पंचायत ने समाज के सहयोग से सरकार पर दबाव बनाया है। ग्राहक पंचायत के दबाव से ही रियल स्टेट के लिए नियम बने। फर्जी विज्ञापनों को लेकर भी ग्राहक पंचायत के दबाव में नियम बने। इसी प्रकार साइबर क्राइम को लेकर, एम.आर.पी.को लेकर भी कठोर कानून बनें, ऐसा ग्राहक पंचायत का प्रयास है। इस प्रकार ग्राहक पंचायत ग्राहकों की जागरूकता, उनके हितों के लिए कृत संकल्प है। उपभोक्तावाद हमारी भारतीय संस्कृति पर हमला कर रहा है, इससे हमें जागरूक होने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता चौहान ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी एवं ग्राहक पंचायत से डॉ. अनूप श्रीवास्तव एवं एडवोकेट रवि शर्मा उपस्थित रहे। अंत में हिंदी की सहायक प्राध्यापक डॉ. सविता डेहरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

International Management Colloquium में सहभागिता

13/12/2025 'BSSS Institute of Advanced Studies Bhopal' में **'Reimagining Enterprise Strategic Innovation for Developing Human Capital & Business'** विषय पर **'International Management Colloquium'** का आयोजन किया गया । जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की प्रभारी श्रीमती प्रतिभा डेहरिया के मार्गदर्शन में एवं डॉ. गीता चौहान, सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र के नेतृत्व में महाविद्यालय के स्नातक स्तर के 32 विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक सहभागिता की। **'International Management Colloquium'** में **Developing Human Capital और Business** पर देश विदेश से आए विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये, जिसके अनुसार उद्यम आधारित विभिन्न रणनीतियाँ और नवाचार अपनाकर **Human Capital और Business** को उन्नति के शिखर पर पहुँचाने के संबंध में गहन चर्चा की गई। साथ ही, प्रश्न उत्तर सेशन में पूछे गए प्रश्नों और उनके दिए गए जवाबों से प्रतिभागियों को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया। साथ ही, सभी प्रतिभागियों से विषय के संबंध में सुझाव भी माँगे गए। BSSS Institute Of Advanced Studies , Bhopal में विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और विभिन्न प्रकार की लैबोरेट्रीज का भ्रमण कराया गया। साथ ही, स्नातकोत्तर स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इस प्रकार, इस कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए यह अत्यंत ही उपयोगी सिद्ध हुई।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत श्री अरबिंदो हायर सेकेण्डरी स्कूल, भोपाल में जाकर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये किया प्रेरित

13/12/2025 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशन में **'कॉलेज चलो अभियान'** के अंतर्गते डॉ. सविता डेहरिया, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी ने श्री अरबिंदो हायर सेकेण्डरी स्कूल, भोपाल में जाकर स्कूल की प्राचार्य नलिनी पटेल मैडम से संपर्क किया एवं उन्हें महाविद्यालय की बार्षिक पत्रिका- **'सर्जना'** भेंट की और उसके उपरांत 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों से संपर्क किया एवं विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से संबधित विविध महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गई ।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत श्री सत्य साईं हायर सेकेंडरी स्कूल पिपलानी भोपाल में जाकर विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिये किया प्रेरित

13/12/2025 महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में **'कॉलेज चलो अभियान'** के प्रथम चरण के अंतर्गत को महाविद्यालय सुश्री अमृता करियारी, अतिथि विद्वान, बॉयोटेक्नॉजी ने श्री सत्य साँईं हायर सेकेंडरी स्कूल पिपलानी भोपाल में जाकर कक्षा- 12 वीं के विद्यार्थियों से संपर्क किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से संबंधित विविध महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में संचालित कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों से विद्यार्थियों को अवगत कराया एवं उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया ।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत विभिन्न स्कूलो में जाकर किया संपर्क

15/12/2025 **'कॉलेज चलो अभियान'** के अंतर्गत सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल भेल भोपाल, डी. ए. बी. स्कूल भेल भोपाल एवं विवेकानंद विद्यापीठ भेल भोपाल में जाकर महाविद्यालय में संचालित कोर्स एवं महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सुचारू रूप से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया गया ।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू स्कूल हबीबगंज भोपाल में जाकर विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिये किया प्रेरित

15/12/2025 **'कॉलेज चलो अभियान'** के अंतर्गत महाविद्यालय से श्रीमती आरती पटेल, अतिथि विद्वान गणित ने जवाहरलाल नेहरू स्कूल हबीबगंज भोपाल में जाकर महाविद्यालय में संचालित कोर्स एवं हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी देकर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साहित किया।

'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू विभिन्न स्कूलों जाकर विद्यार्थियों से संपर्क कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिये किया प्रेरित

15/12/2025 **'कॉलेज चलो अभियान'** के अंतर्गत महाविद्यालय की टीम द्वारा क्रमशः सरस्वती विद्या मंदिर उ. मा. विद्यालय भेल, भोपाल , शासकीय उ. मा. विद्यालय आनंद नगर भोपाल, बोनी फोई हायर सेकेंडरी स्कूल अयोध्या बायपास, भोपाल एवं कार्मेल कान्वेंट स्कूल गोविंदपुरा, भोपाल में कक्षा-12 वीं के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संपर्क स्थापित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से संबंधित विविध महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इस अभियान में डॉ. नवीन कुमार मालवीय, श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा एवं सुश्री अनु ठाकुर द्वारा विद्यार्थियों को कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत उपलब्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का परिचय दिया गया, साथ ही महाविद्यालय स्तर पर उपलब्ध विभिन्न छात्र कल्याण योजनाओं तथा नवीन शिक्षा नीति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

'Interactive Workshop on Digital Marketing' विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता

16/12/2025 SISTec Business School Bhopal (M.P.) द्वारा **'Interactive Workshop on Digital Marketing'** विषय पर कार्यशाला कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की प्रभारी श्रीमती प्रतिभा डेहरिया के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के स्नातक स्तर के 63 विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया। SISTech Business School, Bhopal के डिजिटल मार्केटिंग सब्जेक्ट के एक्सपर्ट द्वारा सोशल मीडिया से आय प्राप्त करने के विभिन्न तरीके बताए गए। किसी भी कंटेंट को रोचक तरीके से तैयार करना, रील्स बनाना और रील्स का समय निर्धारित करना, डाटा एनालिसिस करने संबंधी विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। साथ ही संस्था के कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा भी प्लेसमेंट के लिए रीजनिंग, मैथमेटिक्स और कम्युनिकेशन के महत्व से संबंधित मार्गदर्शन विद्यार्थियों को प्रदान किया गया। सभी विद्यार्थियों को संस्था की लाइब्रेरी का भ्रमण कराया गया और उच्च शिक्षा से संबंधित स्नातकोत्तर स्तर के विभिन्न कोर्सेस की महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं । विद्यार्थियों के साथ ही महाविद्यालय से डॉ.नवीन कुमार मालवीय, सहायक प्राध्यापक, रसायनशास्त्र, एवं श्रीमती आरती पटेल, अतिथि विद्वान, गणित के द्वारा भी वर्कशॉप में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। डिजिटल मार्केटिंग विषय पर आयोजित वर्कशॉप में भाग लेकर सभी विद्यार्थी अत्यधिक लाभान्वित हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना 'बी' प्रमाणपत्र परीक्षा हुई संपन्न

17/12/2025 राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के **'बी' प्रमाणपत्र** की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशन में आयोजित की गई। परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल की समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. तैयबा खातून उपस्थित रही। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर स्वयंसेवकों को प्रबोधन प्रदान किया तथा तत्पश्चात **'बी' प्रमाणपत्र** हेतु स्वयंसेवकों का साक्षात्कार लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना, बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी, राष्ट्रीय सेवा योजना, बालिका इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता चौहान एवं समाजशास्त्र विभाग की सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा एवं डॉ. अर्चना गौर, प्राध्यापक समाजशास्त्र विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधितों का आभार व्यक्त किया गया।

विधानसभा विशेष सत्र में विद्यार्थियों ने की सहभागिता

17/12/2025 मध्यप्रदेश विधानसभा के 70 वर्ष पूर्ण होने पर विधानसभा के विशेष सत्र में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव एवं अतिथि विद्वान सुश्री अनु ठाकुर के नेतृत्व में विधानसभा के विशेष सत्र का प्रत्यक्ष अवलोकन किया ।

'आत्महत्या: एक सामाजिक चुनौती' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

17/12/2025 आत्महत्या की प्रवृत्ति रोकने हेतु 'नेशनल टास्क फोर्स' द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा **'आत्महत्या: एक सामाजिक चुनौती'** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल से मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. तैयबा खातून, प्राध्यापक समाजशास्त्र उपस्थित हुईं ।

'पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

20/12/2025 महाविद्यालय में ट्रेवल एंड टूरिज्म पाठ्यक्रम एवं पी जी डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिये **'पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर'** विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता श्री एल. के. गौड़ ने पर्यटन के क्षेत्र में व्यक्तित्व विकास, धैर्य एवं विनम्रता के गुणों के साथ रोजगार प्राप्त करने के अवसरों पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दुनिया अब बदल रही है, पर्यटन का स्वरूप अब वैसा नहीं रहा जैसा पहले हुआ करता था। आज पर्यटन न केवल स्मारकों को देखना, बल्कि आध्यात्म, धार्मिक, ग्रामीण पर्यटन का क्रेज भी समाज में देखा जा रहा है। भारत में पर्यटन एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है, जो बड़ी संख्या में नौकरियाँ भी पैदा कर रहा है। यह न केवल आय और विकास लाता है, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने छोटे-छोटे पैकेज टूर बनाकर इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शित किया। इसके लिए उन्होंने वॉक इन क्लाइंट के बारे में समझाया कि विदेशी पर्यटक बिना किसी पैकेज टूर के भारत आते हैं, उन्हें आप उनके बताए गए स्थल पर भ्रमण कराके अपने गाइड के कार्य स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं। इस संगोष्ठी में दूसरे विशिष्ट वक्ता श्री महेश चन्द्र दीक्षित ने विद्यार्थियों को इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने के लिए मार्गदर्शित किया, उन्होंने होटल मैनेजमेंट में कॅरियर प्रारंभ करने के लिए विद्यार्थियों से कहा कि वह प्रत्येक छोटे-छोटे कार्य को सीखें, जिससे कि उच्च स्तर पर पदस्थ होकर प्रत्येक कार्य को अपने अधीनस्थों से कराने में सक्षम हो सकेंगे । उन्होंने धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में टूरिस्ट गाइड बनने के लिए भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शित किया। धार्मिक पर्यटन में हिंदी भाषा के साथ भी आप टूरिस्ट गाइड के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकते हो। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के प्राचार्य आदरणीय डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में आयोजित की गई । संगोष्ठी में डॉ. संजय बाणकर एवं श्रीमती पूनम वरवड़े तथा ट्रेवल एंड टूरिज्म एवं पी.जी. डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट के सभी विद्यार्थी संगोष्ठी में उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संचालन ट्रैवल एंड टूरिज्म पाठ्यक्रम की अतिथि विद्वान श्रीमती अनुपमा गीते द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम की समन्वयक श्रीमती चित्रा खरे, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य ने सभी का आभार प्रेषित किया ।

गणित विभाग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के द्वारा किया गया 'राष्ट्रीय गणित दिवस' समारोह का आयोजन

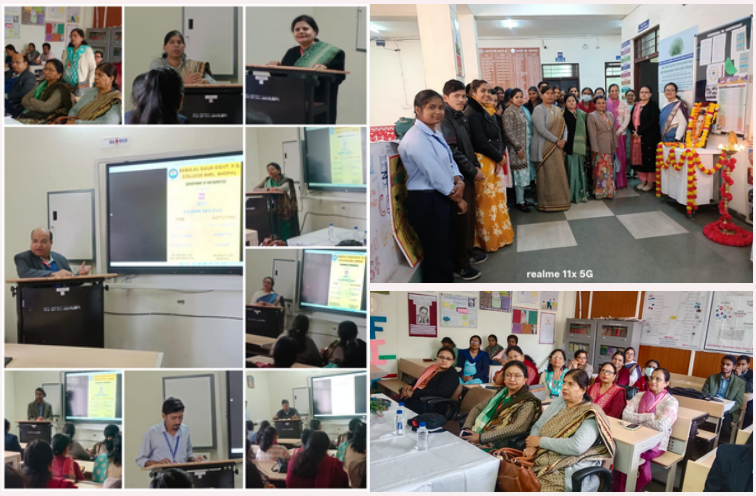

22/12/2025 महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं गणित विभाग के द्वारा **'राष्ट्रीय गणित दिवस'** समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सर्वप्रथम श्री निवास रामानुजन जी की छायाचित्र पर तिलक वंदन, माला-अर्पण और दीप प्रज्वलन किया गया है। कार्यक्रम की प्रथम श्रृंखला में **'वैदिक गणित की विशिष्टता'** विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 17 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की दूसरी श्रृंखला में प्राचीन भारतीय गणितज्ञों के छायाचित्र एवं पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई एवं तीसरी श्रृंखला में **'गणित विषय के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा का अवदान'** विषय पर संगोष्ठी का कक्ष क्रमांक- 4 में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एम.एससी. प्रथम वर्ष के छात्र प्रियांशु वर्मा ने किया, अपने संचालन में उन्होनें गणित से संबंधित कविता के माध्यम से गणित की महत्व को बताया एवं कार्यक्रम में बी.एससी. तृतीय वर्ष के छात्र रूपेश अहिरवार ने **'भारत में भी बीजीय गणित का विकास'** विषय पर अपने विचार व्यक्त किये एवं शिवम राय ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन की विषम परिस्थितियों को बताते हुए उनके जीवन की सफलता पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने शून्य से लेकर अनंत तक के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए एवं छात्र-छात्राओं को गणित के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए मार्गदर्शित किया। डॉ. चारूलता राठौड़ ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. समता जैन ने वैदिक काल में गणित की महत्ता पर अपना वृतांत दिया और गणित विषय की हर विषय में उपयोगिता पर विचार रखे। डॉ. वर्षा चौहान ने स्वयं को गणित विषय से संबंधित होने पर स्वयं को गर्वान्वित बताया। साथ ही उनके द्वारा बताया गया गणित विषय हमारी तार्किक सोच को विकसित करता है। डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने रामानुजन जी के जीवन के एक वृत्तांत की जानकारी दी। श्रीमती आरती पटेल ने वैदिक काल से आधुनिक काल तक गणित की विशेषता पर प्रकाश डाला। अंत में कार्यक्रम का आभार गणित विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना जैन द्वारा दिया गया। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों के सहयोग से सफल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'इको क्लब' गतिविधि के अंतर्गत पर्यावरण शिक्षण संबंधी विविध कार्यक्रमों का आयोजन

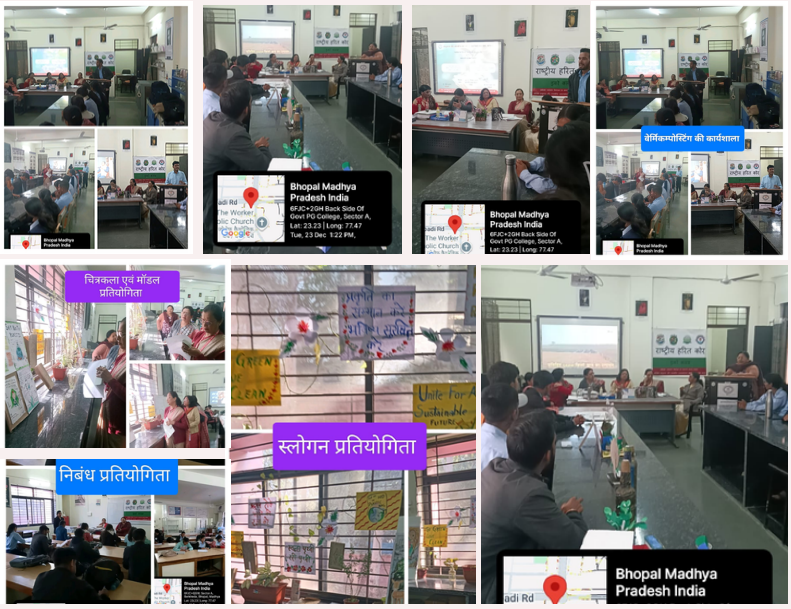

23/12/2025 पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम **'इको क्लब'** गतिविधि के अंतर्गत दिनांक-18/12/2025 से 23/12/2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें निबंध, स्लोगन, पोस्टर, मॉडल, अलग-अलग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई एवं दिनांक- 23/12/2025 को कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसके अंतर्गत वनस्पति विभाग में जैविक खाद तैयार करने की संपूर्ण प्रक्रिया विद्यार्थियों को स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से यूट्यूब पर वीडियो दिखाकर बताई गई और कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शीला कुमार द्वारा पर्यावरण जागरूकता पर व्याख्यान भी दिया गया। साथ ही, छात्र विवेक शर्मा और छात्रा पलक मर्सकोले द्वारा भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए । अंत में, महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के निर्णय दिए गए, जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सनत नाग, बी.एससी. तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर परिधि चौरे बी.एससी. द्वितीय वर्ष सीएनडी रही। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर निर्जला नेताम बी.एससी. तृतीय वर्ष बायोटेक, द्वितीय स्थान पर दिव्यांशी प्रजापति बी.एससी. प्रथम वर्ष बायोलॉजी, तृतीय स्थान पर वंदना अहिरवार बी.एससी. प्रथम वर्ष बायोलॉजी रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर निर्जला नेताम बीएससी तृतीय वर्ष बायोटेक, द्वितीय स्थान पर गायत्री मरावी बी.एससी. प्रथम वर्ष बायोटेक और तृतीय स्थान पर स्नेहलता मालवीय बी.एससी. प्रथम वर्ष बायोलॉजी रहीं। **'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट'** विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन भी विद्यार्थियों के लिए किया गया, जिसमें प्रथम स्थान पर वंदना अहिरवार बी.एससी. प्रथमवर्ष बायोलॉजी, द्वितीय स्थान पर राधा कुशवाहा बी.एससी. प्रथम वर्ष बायोलॉजी और तृतीय स्थान पर हर्षित बी.एससी. द्वितीय वर्ष बायोलॉजी रहे। अंत में सभी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों द्वारा संकल्प लिया गया कि हर वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाएँगे, जल एवं बिजली की बचत करेंगे और पर्यावरण को स्वच्छ रखेंगे । इस प्रकार विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक सभी गतिविधियों में भाग लिया।

'डॉ. जे.के मेहता का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

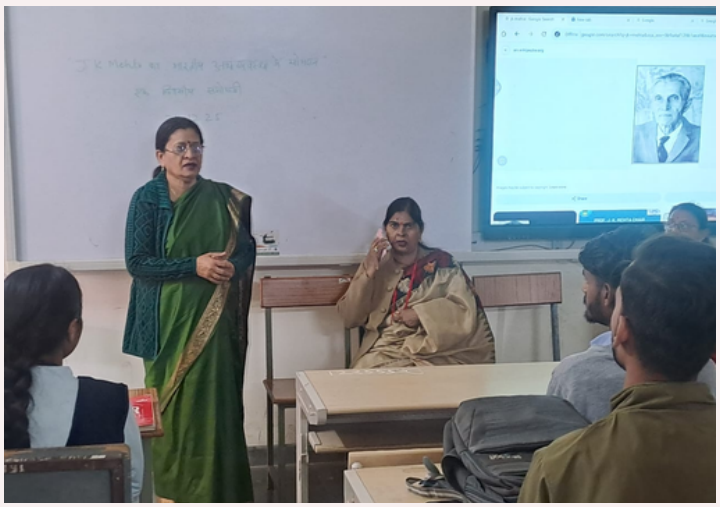

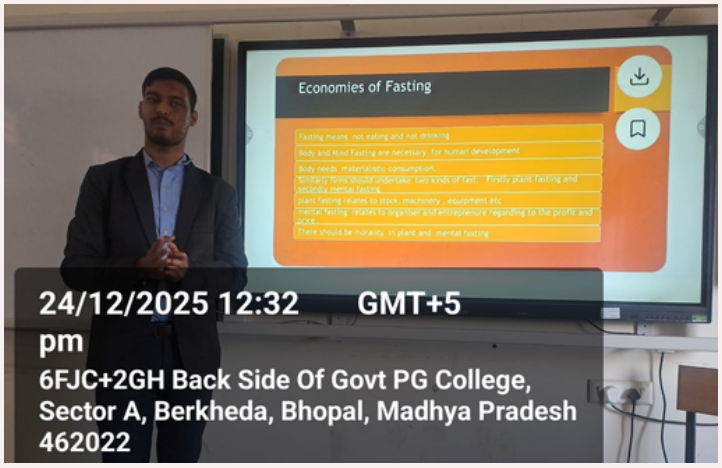

24/12/2025 महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा **'डॉ. जे. के. मेहता का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान'** विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. समता जैन, प्राध्यापक, अर्थशास्त्र एवं श्रीमती प्रतिभा डेहरिया, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र के द्वारा डॉ. जे. के. मेहता के कार्यों पर प्रकाश डाला गया। स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने Presentation PPT इत्यादि के माध्यम से दिए। ये संगोष्ठी डॉ. जे. के. मेहता के जन्मदिवस- 14/12/2025 के उपलक्ष्य में आयोजित की गई ।

स्वरचित साहित्य मंच द्वारा कवि गोष्ठी का आयोजन

29/12/2025 महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा स्वरचित साहित्य मंच की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बार की कवि गोष्ठी में विद्यार्थियों, कार्यालयीन साथियों और प्राध्यापकों द्वारा मन अभी हारा नहीं, विदाई बीते वर्ष की, स्वागत है नव वर्ष और माँ, तुम जीवन की पूँजी हो, जैसे मर्मस्पर्शी शीर्षकों पर कविताएँ पढ़ी गयीं। प्राची विश्वकर्मा, तुषार पांडेय, कविता यादव, नैना मालवीय, रूक्मणी रैकवार और शिवम श्रीवास ने स्वरचित कविताओं की मनभावन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के लेखापाल श्री शिवनारायण प्रजापति ने कार्यालयीन परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए मौलिक कविता पढ़ी। डॉ. चारूलता राठौड़, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. मीता बादल, डॉ. अनुराधा दुबे, डॉ.अर्चना शर्मा, डॉ. अनुपमा यादव, डॉ. अर्चना गौर, डॉ. गीता चौहान, डॉ. दीक्षा, श्रीमती शालिनी तिवारी, डॉ. समता जैन और डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने स्वरचित और हिन्दी की प्रसिद्ध कविताएँ पढ़कर गोष्ठी को कवितामय बना दिया। सभी रचनाकारों को प्राचार्य द्वारा कलम देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने हिंदी विभाग के इस नवाचार की सराहना करते हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा की भूरि भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. इलारानी श्रीवास्तव और डॉ. सविता डहेरिया द्वारा आभार व्यक्त किया गया। स्वरचित साहित्य मंच की संयोजक डॉ. सुषमा जादौन ने बताया कि अगला कार्यक्रम बसंत पंचमी पर होगा। माँ सरस्वती और सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक स्मरण किया जाएगा। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए प्राचार्य महोदय और सभी रचनाकारों को हृदय से धन्यवाद दिया।

समाचार पत्रों से

सेंट्रल इंडिया संवाद में रूपेश ने किया मप्र का प्रतिनिधित्व

भोपाल। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'सेंट्रल इंडिया संवाद 2025' का सफल आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया। इसमें देश के 26 राज्यों से लगभग 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। उद्देश्य देश के जनजातीय युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर, ज्ञान का आदान-प्रदान और शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। मप्र का प्रतिनिधित्व बाबूलाल गौर पीजी कालेज के एमए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी रूपेश कठौतिया ने किया। युवा संवाद में उनके विचारों व जनजातीय समाज के लिए किए गए प्रयासों की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने रूपेश के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि समस्त कालेज परिवार और प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। भारत के आदिवासी समुदायों के लिए सीखने, समझने और आगे बढ़ने का प्रेरणादायी मंच सिद्ध हो रहा है।

सेंट्रल इंडिया संवाद 2025' में भेल कालेज के रूपेश कठोतिया ने किया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

By Deepak Kankar — Last updated Dec 5, 2025

Share 135 0

भोपाल । टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'सेंट्रल इंडिया संवाद 2025' का सफल आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया, जिसमें देश के 26 राज्यों से लगभग 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। आयोजन का उद्देश्य देश के जनजातीय युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर, ज्ञान का आदान-प्रदान तथा शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

इस राष्ट्रीय आयोजन में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के एम•ए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कठौतिया किया . युवा संवाद में उनके विचारों व जनजातीय समाज के लिए किए गए प्रयासों की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं तथा समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करते हैं। उन्होंने रूपेश के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि समस्त महाविद्यालय परिवार एवं प्रदेश के लिए गौरव का विषय है टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारत के आदिवासी समुदायों के लिए सीखने, समझने और आगे बढ़ने का प्रेरणादायी मंच सिद्ध हो रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा यादव सहित समस्त स्टाफ ने रुपेश कठोतिया की इस उपलब्धि पर बधाई दी है

पीपुल समाचार भोपाल 6.12.2025

छात्र रूपेश ने सेंट्रल संवाद में किया मप्र का प्रतिनिधित्व

भोपाल। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'सेंट्रल इंडिया संवाद 2025' का आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया। इसमें बाबूलाल गौर शास. पीजी महाविद्यालय भेल के एमए राजनीति विज्ञान के तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कठौतिया ने मप्र का प्रतिनिधित्व किया। इसमें देश के 26 राज्यों से लगभग 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। आयोजन का उद्देश्य देश के जनजातीय युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति जागरुकता बढ़ाना रहा।

स्वदेश भोपाल7.12.2025

सेंट्रल इंडिया संवाद में भेल कॉलेज के छात्र ने किया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

भोपाल। टाटा स्टील फाउंडेशन के आयोजित 'सेंट्रल इंडिया संवाद -2025' में सफल आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व भेल के बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कॉलेज के एमए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कठौतिया ने किया। इस कार्यक्रम में देश के 26 राज्यों से लगभग 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं तथा समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा यादव ने भी रूपेश को बधाई दी है।

पत्रिका भोपाल 6.12.2025

सेंट्रल इंडिया संवाद 2025 में छात्र रूपेश कठौतिया ने किया एमपी का प्रतिनिधित्व

बरखेड़ा@पत्रिका. टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सेंट्रल इंडिया संवाद 2025 का सफल आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया, जिसमें देश के 26 राज्यों से लगभग 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। आयोजन का उद्देश्य देश के जनजातीय युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर, ज्ञान का आदान-प्रदान तथा शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस राष्ट्रीय आयोजन में मप्र का प्रतिनिधित्व बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एमए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कठौतिया ने किया। युवा संवाद में उनके विचारों व जनजातीय समाज के लिए किए गए प्रयासों की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं तथा समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करते हैं। उन्होंने रूपेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

हारभूमि भोपाल 7.12.2025

सेंट्रल इंडिया संवाद 2025 में रूपेश ने किया प्रतिनिधित्व

भोपाल। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सेंट्रल इंडिया संवाद 2025 का आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया। इसमें देश के 26 राज्यों से करीब 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। इस राष्ट्रीय आयोजन में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल के एमए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कठौतिया ने किया। आयोजन का उद्देश्य देश के जनजातीय युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर, ज्ञान का आदान-प्रदान तथा शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति जागरुकता बढ़ाना रहा। युवा संवाद में उनके विचारों व जनजातीय समाज के लिए किए गए प्रयासों की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की।

'सेंट्रल इंडिया संवाद 2025' में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व भेल कालेज के रूपेश कठौतिया ने किया

भोपाल, नोबल एक्सप्रेस

टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'सेंट्रल इंडिया संवाद 2025' का सफल आयोजन जमशेदपुर झारखंड में किया गया, जिसमें देश के 26 राज्यों से लगभग 90 जनजातीय युवा सहभागी बने। आयोजन का उद्देश्य देश के जनजातीय युवाओं को एक साझा मंच प्रदान कर, ज्ञान का आदान-प्रदान तथा शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस राष्ट्रीय आयोजन में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के एमए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के छात्र रूपेश कठौतिया ने किया। युवा संवाद में उनके विचारों व जनजातीय समाज के लिए किए गए प्रयासों की सभी प्रतिभागियों ने सराहना की।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि ऐसे अवसर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं तथा समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करते हैं। उन्होंने रूपेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि समस्त महाविद्यालय परिवार एवं प्रदेश के लिए गौरव का विषय है टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारत के आदिवासी समुदायों के लिए सीखने, समझने और आगे बढ़ने का प्रेरणादायी मंच सिद्ध हो रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ अनुपमा यादव सहित समस्त स्टाफ ने रुपेश कठोतिया की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

समाचार पत्रों से

नेशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डा दीपा जैन ने कहा

नकारात्मक विचारों से अधिकतर युवा कर रहे आत्महत्या

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

नेशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डा दीपा जैन ने कहा कि जीवन की जटिलताओं का हल सकारात्मक विचारों से सम्भव है। युवाओं में अनियमित दिनचर्या, लगातार असफलता और साथियों से असंतुलित तुलना व नकारात्मक विचारों से अवसाद की प्रवृति बढ़ रही है, जिसकी परिणीति आत्महत्या जैसे अपराधों तक हो जाती है।

डॉ जैन मंगलवार को विद्यार्थियों में बढ़ती हुई आत्महत्या की प्रवृति रोकने लिए नेशनल टास्क फोर्स के चलाए अभियान के अंतर्गत बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कॉलेज में व्यक्त किए।

कार्यक्रम का आयोजन समाजशास्त्र विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित किया गया।

इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं प्रभारी प्राचार्य डा. चारुलता राठौड़ ने कहा कि यह मार्गदर्शन युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक चिंतन के लिए प्रोत्साहित करेगा। नेशनल टास्क फोर्स की कॉलेज नोडल अधिकारी डा अर्चना गौर एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डा अर्चना शर्मा ने डा दीपा जैन का आभार माना।

गिरना, उठना और धैर्य से करें लक्ष्य को केंद्रित

डॉ दीपा ने कहा कि जीवन एक संघर्ष है। गिरना, फिर से उठना और धैर्य से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर प्रयास करने पर उपलब्धियां पाई जा सकती है। युवाओं को छोटी-छोटी बातों पर तनाव और चिंता करने से बचना चाहिए। इस अवसर पर छात्र- छात्राओं को उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। अलग- अलग कक्ष मे भी छात्राओं की व्यक्तिगत समस्याओं के लिए मार्गदर्शन दिया। छात्राओं ने भी नि:संकोच अपनी व्यक्तिगत समस्याएं डॉ दीपा से शेयर की।

सप्ताह में दो बार होती निःशुल्क काउंसलिंग

इस मौके पर प्राचार्य डा संजय जैन ने बताया कि महाविद्यालय में प्रति सोमवार एवं मंगलवार दोपहर 12 बजे से एक विषय विशेषज्ञ की निःशुल्क काउंसलिंग की सुविधा सतत रूप से उपलब्ध है, जिससे कई छात्र- छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। यह सुविधा जनसामान्य के लिए भी उपलब्ध है। कोई भी निर्धारित समय मे कॉलेज में आकर उक्त सुविधा का लाभ ले सकता है।

स्वदेश भोपाल 10.12.2025

10.12.2025

डॉ. दीपा ने अभियान के तहत रखे विचार

कई कारणों से होता है डिप्रेशन फ्री काउंसिलिंग की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

जीवन की जटिलताओं का हल सकारात्मक विचारों से संभव है। युवाओं में अनियमित दिनचर्या, लगातार असफलता और साथियों से असंतुलित तुलना व नकारात्मक विचारों से अवसाद की प्रवृति बढ़ रही है, जिसकी परिणीति आत्महत्या जैसे अपराधों तक हो जाती है। यह बात मंगलवार को नेशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ दीपा जैन ने विद्यार्थियों में बढ़ती हुई आत्महत्या की प्रवृति रोकने नेशनल टास्क फोर्स द्वारा चलाए अभियान के तहत बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में व्यक्त किए। समाजशास्त्र विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मानसिक अवसादः एक अदृश्य संघर्ष विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ दीपा ने कहा कि अनियमित दिनचयर्या, उदासी, मन की पीड़ा और वेदना छिपाने से अवसाद बढ़ता है। साथियों से होने वाली तुलना, नींद न आना, नकारात्मक विचार आत्महत्या जैसी घटनाओं का कारण बनते हैं।

दैनिक भास्कर भोपाल 10.12.2025

कैम्पस अपडेट

सकारात्मक सोच से विजय संभव: डॉ. जैन

भोपाल | बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल में 'मानसिक अवसाद: एक अदृश्य संघर्ष' विषय पर आयोजित कार्यशाला में मनोचिकित्सक डॉ. दीपा जैन ने कहा कि अनियमित दिनचर्या, असफलता और तुलना से युवाओं में अवसाद बढ़ रहा है, जिसकी रोकथाम सकारात्मक सोच से संभव है। कार्यक्रम में छात्रों ने व्यक्तिगत समस्याओं पर परामर्श लिया। कॉलेज में हर सोमवार–मंगलवार को काउंसलिंग की जाती है। भारतीय मूल की डॉ. दीपा जैन इन दिनों नेशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड में बतौर मनोचिकित्सक की सेवाएं दे रही हैं।

जीवन की जटिलताओं का हल सकारात्मक विचारों से सम्भव अनियमित दिनचर्या, असफलता और साथियों से तुलना से अवसाद होता है:डॉ. दीपा जैन

भोपाल, नोबल एक्सप्रेस

जीवन की जटिलताओं का हल सकारात्मक विचारों से सम्भव है युवाओं मे अनियमित दिनचर्या, लगातार असफलता और साथियों से असंतुलित तुलना व नकारात्मक विचारो से अवसाद की प्रवृति बढ़ रही है जिसकी परिणीति आत्महत्या जैसे अपराधों तक हो जाती है ,उक्त विचार नेशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डा दीपा जैन ने विद्यार्थियों मे बढ़ती हुई आत्महत्या की प्रवृति रोकने हेतु नेशनल टास्क फोर्स द्वारा चलाये अभियान के अंतर्गत बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में व्यक्त किये

भेल कालेज मे समाजशास्त्र विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित मानसिक अवसाद -एक अदृश्य संघर्ष विषय की कार्यशाला मे मुख्य् वक्ता व मनोचिकित्सक डा दीपा ने कहा कि अनियमित दिनचर्या, उदासी ,मन कि पीड़ा और वेदना छिपाने से अवसाद बढ़ता है ,हमे अपनी समस्याओं को साझा कर के हल निकालना चाहिए ,बेरोजगारी ,बार बार मिलने वाली असफलता ,साथियों से होने वाली तुलना,नींद न आना ,नकारात्मक विचार आत्महत्या जैसी घटनाओं का कारण बनते हैं,जिसकी रोकथाम सकारात्मक विचारों और चिंतन से की जा सकती है ,उन्होंने कहा कि जीवन एक संघर्ष है ,गिरना ,फिर से उठना और धैर्य् से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर प्रयास करने पर उपलब्धियां पाई जा सकती हैं ,युवाओं को छोटी छोटी बातों पर तनाव और चिंता करने से बचना चाहिए,इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया तथा अलग कक्ष मे व्यक्तिगत समस्याओं के लिए भी मार्गदर्शन प्राप्त किया .सभी ने डा दीपा के सहज ,सरल और सारगर्भित उदबोधन की प्रसंशा की तथा छात्राओ ने नि:संकोच अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हल पाया. विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं प्रभारी प्राचार्य डा चारुलता राठौर ने कहा कि यह मार्गदर्शन युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक चिंतन के लिए प्रोत्साहित करेगा नेशनल टास्क फोर्स की कालेज नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना गौर एवं समा?शास्त्र विभागाध्यक्ष डा अर्चना शर्मा ने डा दीपा जैन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि काउंसलिंग थेरेपी, दवाओं जैसा असर करती हैं ,इस परिप्रेक्ष मे प्राचार्य डा संजय जैन ने अवगत कराया कि महाविद्यालय मे प्रति सोमवार एवं मंगलवार दोपहर 12बजे से एक विषय विशेषज्ञ की निशुल्क काउंसलिंग की सुविधा सतत रूप से उपलब्ध है जिससे कई छात्र छात्रायें लाभान्वित हो रहे है .यह सुविधा जनसामान्य के लिये भी उपलब्ध है,कोई भी निर्धारित समय मे कॉलेज मे आ कर निशुल्क सुविधा का लाभ ले सकता है।

ITDC e PRESS — DIGITAL NEWS STAND OF INDIA

India | World | Sports | Business | Sci Tech | Enter

Life's complexities can be resolved with positive thoughts, relief found from depression

CNN Central News & Network–ITDC India Epress/ITDC News Bhopal: Resolving life's complexities is possible through positive thinking. Among today's youth, irregular routines, repeated failures, unhealthy comparisons with peers, and persistent negative thoughts are increasing the tendency toward depression, which sometimes results in tragic acts such as suicide. These views were expressed by Dr. Deepa Jain, a renowned psychiatrist with the National Health Service (NHS) England, during a session organized at Babulal Gaur Government Postgraduate College, BHEL Bhopal. The programme was part of a national campaign run by the National Task Force to curb the growing trend of student suicides.

In the workshop titled "Mental Depression: An Invisible Struggle", jointly organised by the Department of Sociology and the National Service Scheme (NSS), the keynote speaker and psychiatrist Dr. Deepa Jain stated that irregular routines, sadness, and hiding inner pain and suffering only intensify depression. She emphasised that we must share our problems and find solutions collectively. Unemployment, repeated failures, peer comparison, sleeplessness, and negative thoughts often lead to incidents like suicide. These situations can be prevented through positive thinking and reflection.

She added that life is a struggle— falling, rising again, and remaining patient and focused on one's goals leads to achievement. Young people should avoid stress and anxiety over small matters. On this occasion, students received answers to their queries and also availed one-on-one guidance for personal issues in a separate counseling room. Everyone appreciated Dr. Deepa's simple, clear, and meaningful address, and many girl students openly discussed and resolved their personal concerns.

Dr. Charulata Rathore, Head of the Zoology Department and Acting Principal, said that this guidance will encourage young people toward a healthy lifestyle and positive thinking.

College Nodal Officer of the National Task Force, Dr. Archana Gaur, and Head of the Sociology Department, Dr. Archana Sharma, thanked Dr. Deepa Jain, stating that counseling therapy works as effectively as medication. In this context, Principal Dr. Sanjay Jain informed that the college provides free counseling by a subject expert every Monday and Tuesday from 12 PM onwards. Many students are already benefiting from this service. This facility is also available for the general public, who may visit the college during the scheduled hours to receive free counseling.

#PositiveThoughts #MentalHealth #DepressionRelief #StressManagement #EmotionalWellness #Motivation #Wellbeing #Mindfulness

Tags: depression relief, emotional wellness, mental health, Mindfulness, Motivation, positive thoughts, stress management, Wellbeing

IV **नवदुनिया** भोपाल, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 20

नवदुनिया मेरा स्वास्थ्य

सकारात्मक चिंतन से संभव है जटिलताओं का समाधान

डा. दीपा जैन
मानसिक रोग विशेषज्ञ

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : जीवन की भागदौड़ मे युवाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही है, जिनकी परिणति कई बार आत्महत्या जैसे दुर्भाग्यपूर्ण कदमों तक हो जाती है। जीवन की इन जटिलताओं का स्थायी हल केवल सकारात्मक विचारों और आंतरिक मजबूती से ही संभव है। आज के युवाओं मे अवसाद की प्रवृति बढ़ने के मुख्य कारण है : अनियमित दिनचर्या, बार-बार मिलने वाली असफलता और साथियों के साथ होने वाली असंतुलित तुलना। इन समस्याओं के साथ जब उदासी, मन की पीड़ा और वेदना को छिपाया जाता है, तो अवसाद का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ जाता है। बेरोजगारी, नींद न आने की समस्या, और लगातार नकारात्मक चिंतन युवाओं को निराशा की खाई मे धकेलते है। समस्याओं को छिपाने के बजाय उन्हें साझा करके हल निकालना चाहिए। जीवन संघर्ष है, और असफलताएं इसका स्वाभाविक हिस्सा है। गिरना, फिर से उठना और धैर्य से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर प्रयास करने पर ही उपलब्धियां पाई जा सकती है। युवाओं को छोटी-छोटी बातों पर तनाव और चिंता करने से बचना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति खुद को स्वीकार करे और यह समझे कि नकारात्मक विचारों की आदत को सकारात्मक चिंतन से बदला जा सकता है। बाहरी हाव-भाव या सफल होने का दिखावा करने की जगह, भीतर के आत्मविश्वास और आत्म-स्वीकृति पर काम करना जरूरी है।

10.12.2025

सकारात्मक विचारों से जीवन की जटिलताएं सुलझें, अवसाद से मिलती राहत

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया इंप्रेस /आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल। जीवन की जटिलताओं का हल सकारात्मक विचारों से सम्भव है युवाओं मे अनियमित दिनचर्या, लगातार असफलता और साथियों से असंतुलित तुलना व नकारात्मक विचारो से अवसाद की प्रवृति बढ़ रही है जिसकी परिणीति आत्महत्या जैसे अपराधो तक हो जाती है% ,उक्त विचार नेशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ दीपा जैन ने विद्यार्थियों मे बढ़ती हुई आत्महत्या की प्रवृति रोकने हेतु नेशनल टास्क फोर्स द्वारा चलाये अभियान के अंतर्गत बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में व्यक्त किये

भेल कालेज मे समाज्शास्त्र विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित %मानसिक अवसाद -एक अदृश्य संघर्ष% विषय की कार्यशाला मे मुख्य् वक्ता व मनोचिकित्सक डॉ दीपा ने कहा कि अनियमित दिनचर्या, उदासी ,मन कि पीड़ा और वेदना छिपाने से अवसाद बढ़ता है ,हमे अपनी समस्याओं को साझा कर के हल निकालना चाहिए ,बेरोजगारी ,बार बार मिलने वाली असफलता ,साथियों से होने वाली तुलना,नींद न आना ,नकारात्मक विचार आत्महत्या जैसी घटनाओं का कारण बनते हैं,जिसकी रोकथाम सकारात्मक विचारों और चिंतन से की जा सकती है ,उन्होंने कहा कि जीवन एक संघर्ष है ,गिरना ,फिर से उठना और धैर्य् से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर प्रयास करने पर उपलब्धियां पाई जा सकती हैं ,युवाओ को छोटी छोटी बातों पर तनाव और चिंता करने से बचना चाहिए,इस अवसर पर छात्र छात्राओ ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया तथा अलग कक्ष मे व्यक्तिगत समस्याओ के लिए भी मार्गदर्शन प्राप्त किया .सभी ने डा दीपा के सहज ,सरल और सारगर्भित उदबोधन की प्रसंशा की तथा छात्राओ ने नि:संकोच अपनी व्यक्तिगत समस्याओ का हल पाया. विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र एवं प्रभारी प्राचार्य डा चारुलता राठौड़ ने कहा कि यह मार्गदर्शन युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक चिंतन के लिए प्रोत्साहित करेगा नेशनल टास्क फोर्स की कालेज नोडल अधिकारी डा अर्चना गौर एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना शर्मा ने डॉ दीपा जैन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि काउंसलिंग थेरेपी, दवाओं जैसा असर करती हैं ,इस परिप्रेक्ष मे प्राचार्य डॉ संजय जैन ने अवगत कराया कि महाविद्यालय मे प्रति सोमवार एवं मंगलवार दोपहर 12बजे से एक विषय विशेषज्ञ की निशुल्क काउंसलिंग की सुविधा सतत रूप से उपलब्ध है जिससे कई छात्र छात्राये लाभान्वित हो रहे है .यह सुविधा जनसामान्य के लिये भी उपलब्ध है,कोई भी निर्धारित समय मे कॉलेज मे आ कर निशुल्क सुविधा का लाभ ले सकता है.

22.12.2025

टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में48 मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं : गौड़

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं। विकसित देशों के सैलानियों को भारत का पर्यटन सस्ता पड़ता है पर्यटन, होटल प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा ,डिग्रीधारी छात्रों को शीघ्र रोजगार के अवसर मिलते हैं। उक्त विचार बाबूलाल गौर शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल विषय विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। भेल कालेज में टूरिज्म ,ट्रेवल और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा 'पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर' विषय पर विशेषज्ञ प्रो ललित गौड़ ने बताया कि भारत में टूरिज्म इंडस्ट्री से 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते है।

समाचार पत्रों से

दैनिक जागरण भोपाल 22.12.2025

टूरिज्म इंडस्ट्री से निर्मित होते हैं 48 मिलियन रोजगारः गौड़

भोपाल। टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं। विकसित देशों के सैलानियों को भारत का पर्यटन सस्ता पड़ता है पर्यटन, होटल प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, डिग्रीधारी छात्रों को शीघ्र रोजगार के अवसर मिलते हैं उक्त विचार बाबूलाल गौर पीजी कालेज भेल में विषय विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। गौर कालेज में टूरिज्म, ट्रेवल और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ प्रो ललित गौड़ ने बताया कि वर्ल्ड ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार भारत में टूरिज्म इंडस्ट्री से 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो रोजगार शामिल हैं और यह देश के राष्ट्रीय रोजगार का 9.1 प्रतिशत है। विकसित देशों के सैलानियों को भारत सस्ता प्रतीत होता है। इसलिए वे यहां आने का आकर्षण रखते हैं। मेडीकल एंड वेलनेस टूरिज्म ,ईको टूरिज्म, वेडिंग टूरिज्म, रूरल टूरिज्म पर्यटन उद्योग के उभरते हुए क्षेत्र हैं। एमपी टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन के पूर्व जीएम महेश चन्द्र दीक्षित ने बताया कि ट्रेवल, टूरिज्म और होटल प्रबंधन में पीजी डिग्री या डिप्लोमाधारी को रोजगार शीघ्र मिलता है। वाणिज्य यूजी टूरिज्म एकाउंट्स के क्षेत्र मे करियर बना सकता है। टूर पेकेज एजेंसी और टूरिस्ट गाइड के साथ साथ आजकल इवेंटमैनेजमेंट,मेडिटेशन, योगा, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन में शिक्षित युवाओं की मांग बढ़ रही है। प्राचार्य डा संजय जैन ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में रोजगारो की विविधता होती है, जो स्थान और अवसर के साथ बदलती जाती है। टूरिज्म में डिग्री, डिप्लोमा शिक्षित विद्यार्थी टूरिज्म इंडस्ट्री में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संगोष्ठी संचालन प्रो अनुपमा गीते ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48मिलियन रोजगार निर्मित होते है-प्रो. ललित गौड़

मंगलवार 23 दिसंबर, 2025 भोप

टूरिज्म सेक्टर से भारत में 48 मिलियन रोजगार, युवाओं को अवसर

सीएनएन सेंट्रल न्यूज एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस /आईटीडीसी न्यूज भोपाल । टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं । विकसित देशों के सैलानियों को भारत का पर्यटन सस्ता पड़ता है पर्यटन,होटल प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा ,डिग्रीधारी छात्रों को शीघ्र रोजगार के अवसर मिलते है उक्त विचार बाबूलाल गौर शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल विषय विशेषज्ञों ने व्यक्त किए ।भेल कालेज में टूरिज्म ,ट्रेवल और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ प्ललित गौड़ ने बताया कि वर्ल्ड ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार भारत में टूरिज्म इंडस्ट्री से 48मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो रोजगार शामिल हैं और यह देश के राष्ट्रीय रोजगार का 9.1 प्रतिशत हैविकसित देशों के सैलानियों को भारत सस्ता प्रतीत होता है इसलिए वे यहां आने का आकर्षण रखते हैं.मेडीकल एंड वेलनेस टूरिज्म,ईको टूरिज्म, वेडिंग टूरिज्म, रूरल टूरिज्म पर्यटन उद्योग के उभरते हुए क्षेत्र हैंएम पी टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन के पूर्व जी एम महेश चन्द्र दीक्षित ने बताया कि ट्रेवल ,टूरिज्म और होटल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमाधारी को रोजगार शीघ्र मिलता है,वाणिज्य स्नातक टूरिज्म एकाउंट्स के क्षेत्र मे करियर बना सकता है ।टूर पेकेज एजेंसी और टूरिस्ट गाइड के साथ साथ आजकल इवेंटमैनेजमेंट,मेडिटेशन ,योगा, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन में शिक्षित युवाओं की मांग बढ़ रही है संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य संजय जैन ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में रोजगारो की विविधता होती है जो स्थान और अवसर के साथ बदलती जाती है । टूरिज्म में डिग्री ,डिप्लोमा शिक्षित विद्यार्थी टूरिज्म इंडस्ट्री में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है संगोष्ठी संचालन अनुपमा गीते ने किया ।इस अवसर पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया अंत में सभी का आभार पाठ्यक्रम समन्वयक चित्रा खरे ने सभी का आभार व्यक्त किया .संगोष्ठी में संजय बाणकर , अरूण सेन ,पूनम बरबडे, सहित कई छात्र छात्राओं और स्टाफ के सदस्यों कि सहभागिता रही ।

टूरिज्म सेक्टर से भारत में 48 मिलियन रोजगार, युवाओं को अ

December 22, 2025 11:00 am
Editor: ITDC News Team

सीएनएन सेंट्रल न्यूज एंड नेटवर्क-आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस /आईटीडीसी न्यूज भोपाल : टूरिज्म इंडस्ट्री ...

दैनिक भास्कर, भोपाल 22.12.2025

भारत में हैं टूरिज्म से 48 मिलियन रोजगार के अवसर

भोपाल| भेल कॉलेज में भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री में रोजगार और नए अवसर पर संगोष्ठी हुई। इसमें विशेषज्ञों ने बताया कि भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री में 48 मिलियन रोजगार के अवसर हैं। प्रोफेसर ललित गौड़ ने कहा कि वर्ल्ड ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार यह देश के कुल रोजगार का 9.1 प्रतिशत है। भारत में पर्यटन सस्ता होने से विकसित देशों के सैलानी यहां आना पसंद करते हैं। इससे पहले प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

प्रो गौड़ ने मेडिकल, वेलनेस, ईको और रूरल टूरिज्म जैसे नए क्षेत्रों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। संगोष्ठी में महेश चन्द्र दीक्षित ने कहा कि टूरिज्म, ट्रैवल और होटल मैनेजमेंट में डिग्री या डिप्लोमा रखने वाले छात्रों को जल्दी नौकरी मिलती है। वाणिज्य स्नातक भी टूरिज्म एकाउंट्स में करियर बना सकते हैं। टूर पैकेज एजेंसी, टूरिस्ट गाइड, इवेंट मैनेजमेंट, मेडिटेशन और धार्मिक पर्यटन में भी युवाओं की मांग बढ़ी है। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि टूरिज्म में रोजगार के अवसर स्थान और समय के अनुसार बदलते रहते हैं।

23.12.2025

टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते है :प्रो ललित गौड़

शिक्षित युवाओं को शीघ्र रोजगार अवसर : महेशचंद्र दीक्षित

भोपाल नोबल एक्सप्रेस

टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं .विकसित देशों के सैलानियों को भारत का पर्यटन सस्ता पड़ता है पर्यटन,होटल प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा ,डिग्रीधारी छात्रों को शीघ्र रोजगार के अवसर मिलते है उक्त विचार बाबूलाल गौर शास्कीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल विषय विशेषज्ञों ने व्यक्त किए।

भेल कालेज में टूरिज्म ,ट्रेवल और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ प्रो ललित गौड़ ने बताया कि वर्ल्ड ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार भारत में टूरिज्म इंडस्ट्री से 48मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो रोजगार शामिल हैं और यह देश के राष्ट्रीय रोजगार का 9.1 प्रतिशत ह। विकसित देशों के सैलानियों को भारत सस्ता प्रतीत होता है इसलिए वे यहां आने का आकर्षण रखते हैं.मेडीकल एंड वेलनेस टूरिज्म,ईको टूरिज्म, वेडिंग टूरिज्म, रूरल टूरिज्म पर्यटन उद्योग के उभरते हुए क्षेत्र हैं.एम पी टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन के पूर्व जी एम महेश चन्द्र दीक्षित ने बताया कि ट्रेवल ,टूरिज्म और होटल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमाधारी को रोजगार शीघ्र मिलता है, वाणिज्य स्नातक टूरिज्म एकाउंट्स के क्षेत्र मे करियर बना सकता है .टूर पेकेज एजेंसी और टूरिस्ट गाइड के साथ साथ आजकल इवेंटमैनेजमेंट, मेडिटेशन ,योगा, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन में शिक्षित युवाओं की मांग बढ़ रही है संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डा संजय जैन ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में रोजगारो की विविधता होती है जो स्थान और अवसर के साथ बदलती जाती है। टूरिज्म में डिग्री ,डिप्लोमा शिक्षित विद्यार्थी टूरिज्म इंडस्ट्री में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संगोष्ठी संचालन प्रो अनुपमा गीते ने किया. इस अवसर पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। अंत में सभी का आभार पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो चित्रा खरे ने सभी का आभार व्यक्त किया .संगोष्ठी में डा संजय बाणकर ,डॉ. अरूण सेन ,पूनम बरबडे, सहित कई छात्र छात्राओं और स्टाफ के सदस्यों कि सहभागिता रही।

हरिभूमि भोपाल 28.12.2025

मंत्री कृष्णा गौर ने किया भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य डॉ. जायसवाल के चित्र का अनावरण

भोपाल। राजधानी के बाबूलाल गौर शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय भेल के पहले प्राचार्य डॉ. डीवी जायसवाल के चित्र का अनावरण कृष्णा गौर मंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं। डॉ जायसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया, परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया। कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार, प्राचार्य डॉ संजय जैन, सदस्य तेजसिंह ठाकुर सहित कॉलेज के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। यहां ध्यान रहे कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नए भवन में स्थित एक सभागार का नाम कॉलेज के प्रथम प्राचार्य, डॉ डीवी जायसवाल सभागार के रूप में किया गया है। इस निर्णय की मंत्री कृष्णा गौर ने सराहना की।

डॉ. जायसवाल के चित्र का अनावरण करतीं मंत्री गौर।

बाबूलाल गौर कॉलेज में 'पर्यटन उद्योम में रोजगार' के अवसर विषय पर संगोष्ठी

युवाओं ने सीखा टूरिज्म, ट्रेवल और होटल प्रबंधन

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर patrika.com

बरखेड़ा. टूरिज्म इंडस्ट्री से भारत में 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं विकसित देशों के सैलानियों को भारत का पर्यटन सस्ता पड़ता है पर्यटन,होटल प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, डिग्रीधारी छात्रों को शीघ्र रोजगार के अवसर मिलते हैं उक्त विचार बाबूलाल गौर शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विषय विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। भेल कालेज में टूरिज्म, ट्रेवल और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ प्रो ललित गौड़ ने बताया कि वर्ल्ड ट्रेवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार भारत में टूरिज्म इंडस्ट्री से 48 मिलियन रोजगार निर्मित होते हैं जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो रोजगार शामिल हैं और यह देश के राष्ट्रीय रोजगार का 9.1 प्रतिशत है। विकसित देशों के सैलानियों को भारत सस्ता प्रतीत होता है इसलिए वे यहां आने का आकर्षण रखते हैं। विषय से संबंधित महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस दौरान कॉलेज स्टाफ शामिल रहा।

23.12.2025

शासकीय बाबूलाल गौर महाविद्यालय में पर्यावरण शिक्षण केंद्रित अनेक आयोजन सम्पन्न

समाचार पत्रों से

दैनिक डेली स्टार
MPHIN/2024/89800
सकारात्मक खबरों के साथ तथ्यपरक शोधपरक दस्तावेज़
■ वर्ष- 2 ■ अंक- 311 भोपाल, शनिवार 27 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ- 8 ■ मूल्य- 1.50

बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कॉलेज में प्रथम प्राचार्य डॉ. डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण, मंत्री कृष्णा गौर ने किया भावपूर्ण स्मरण

■ भोपाल, डेली नेटवर्क। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल के सेमिनार हाल में प्रथम प्राचार्य डॉ. डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण माननीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर द्वारा गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्था की नींव रखना चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, जिसे डॉ. जैसवाल ने अपने कुशल नेतृत्व, दूरदृष्टि और समर्पण से सफलतापूर्वक निभाया। उनके द्वारा रखी गई मजबूत आधारशिला के कारण ही आज यह महाविद्यालय एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के सेमिनार हाल में प्रथम प्राचार्य डा. डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण माननीय श्रीमती कृष्णा गौर मंत्री म.प्र.शासन द्वारा किया गया .इस अवसर पर माननीय श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती है.डा जैसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया.कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार ,प्राचार्य डा संजय जैन ,सदस्य श्री तेजसिंह ठाकुर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने अपने श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि के रूप में अर्पित किए.

उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नवीन भवन में स्थित एक सभागार का नाम महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य ,-डा डी वी जैसवाल सभागार के रूप में किया गया है .इस निर्णय की माननीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने बहुत प्रशंसा की है वर्ष 1984 में डा.जैसवाल को एक ऐतिहासिक दायित्व सौंपा गया–शासकीय भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य के रूप में संस्थान की स्थापना और संचालन। यह कार्य अनेक चुनौतियों से भरा हुआ था, किंतु डॉ. जैसवाल ने अद्भुत धैर्य, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के साथ इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने जिस मजबूत नींव की स्थापना की, उसी का सुदृढ़ परिणाम आज हम इस महाविद्यालय को प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में देख पा रहे हैं।भेल कॉलेज में अपने सफल कार्यकाल के उपरांत भी डा जैसवाल राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से निरंतर जुड़े रहे। उन्होंने संयुक्त संचालक, अपर संचालक, समन्वय समिति के अध्यक्ष तथा राज्य यूजीसी (State UGC) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा नीति, गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. जैसवाल एक महान गणितज्ञ थे। फिबोनाची श्रेणी पर किया गया उनका शोध आज भी वैश्विक स्तर पर विद्वानों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका शैक्षणिक योगदान कालजयी है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।उनके कई शिष्य आज न केवल मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत है, बल्कि देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी महत्वपूर्ण संस्थानों का नेतृत्व भी कर रहे हैं। यह उनके शिक्षक रूप की सबसे बड़ी उपलब्धि है। डॉ. डी. वी. जैसवाल एक सच्चे मानवतावादी थे। सरलता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाता है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है।आज वे हमारे बीच शारीरिक रूप से भले ही न हों, किंतु उनके विचार, मूल्य और कार्य सदैव जीवित रहेंगे। विशेष रूप से मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के विकास में उनका योगदान अमिट और अविस्मरणीय है।यह महाविद्यालय परिवार अपने प्रथम प्राचार्य डा डी.वी.जैसवाल के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा

स्वदेश ज्योति

भेल कॉलेज में राज्यमंत्री ने किया सभा कक्ष एवं डीवी जैसवाल के चित्र का अनावरण

स्वदेश ज्योति संवाददाता,भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में प्रथम प्राचार्य डॉ. डीवी. जैसवाल के चित्र का अनावरण राज्यमंत्री कृष्णा गौर द्वारा किया गया। इस अवसर उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं। डॉ. जैसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया। कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ,प्राचार्य डॉ.संजय जैन ,सदस्य तेजसिंह ठाकुर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने अपने श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि के रुप में अर्पित किए। उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नवीन भवन में स्थित इस सभागार का नाम महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य ,डॉ. डीवी जैसवाल सभागार के रूप में किया गया है। इस निर्णय की मंत्री कृष्णा गौर ने बहुत प्रशंसा की है। डॉ.डीवी जैसवाल 1984 में इस कालेज के प्रथम प्राचार्य नियुक्त हुए.उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व एवं सूझबूझ से भेल प्रशासन, म प्र शासन और विद्यार्थियों से सामन्जस्य स्थापित कर महाविद्यालय विकास को गति प्रदान की परिणामस्वरूप आज बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल प्रदेश के प्रतिष्ठित महाविद्यालय के रूप में पहचान बना पाया है।

भेल के स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य डा.जैसवाल के चित्र का मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर द्वारा अनावरण

शनिवार 27 दिसंबर 2025 02

प्रथम प्राचार्य डॉ. जैसवाल के चित्र का अनावरण मंत्री कृष्णा गौर ने किया

भोपाल, लोकल एवलांच

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के सेमीनार हाल में प्रथम प्राचार्य डॉ. डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण माननीय कृष्णा गौर मंत्री म.प्र.शासन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं.डा जैसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया.कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ,प्राचार्य डा संजय जैन ,सदस्य तेजसिंह ठाकुर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने अपने श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि के रुप में अर्पित किए।

उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नवीन भवन में स्थित एक सभागार का नाम महाविद्यालय के प्रथम प्राचार्य, डॉ. डी वी जैसवाल सभागार के रूप में किया गया है .इस निर्णय की मंत्री कृष्णा गौर ने बहुत प्रशंसा की है।वर्ष 1984 में डॉ. जैसवाल को एक ऐतिहासिक दायित्व सौंपा गया। शासकीय भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य के रूप में संस्थान की स्थापना और संचालन।यह कार्य अनेक चुनौतियों से भरा हुआ था, किंतु डॉ. जैसवाल ने अद्भुत धैर्य, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के साथ इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने जिस मजबूत नींव की स्थापना की, उसी का सुदृढ़ परिणाम आज हम इस महाविद्यालय को प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में देख पा रहे हैं। भेल कॉलेज में अपने सफल कार्यकाल के उपरांत भी डॉ. जैसवाल राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से निरंतर जुड़े रहे। उन्होंने संयुक्त संचालक, अपर संचालक, समन्वय समिति के अध्यक्ष तथा राज्य यूजीसी (State UGC) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा नीति, गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।

डॉ. जैसवाल एक महान गणितज्ञ थे। फिबोनाची श्रेणी पर किया गया उनका शोध आज भी वैश्विक स्तर पर विद्वानों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका शैक्षणिक योगदान कालजयी है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। उनके कई शिष्य आज न केवल मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत हैं, बल्कि देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी महत्वपूर्ण संस्थानों का नेतृत्व भी कर रहे हैं। यह उनके शिक्षक रूप की सबसे बड़ी उपलब्धि है। डॉ. डी. वी. जैसवाल एक सच्चे मानवतावादी थे। सरलता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाता है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। आज वे हमारे बीच शारीरिक रूप से भले ही न हों, किंतु उनके विचार, मूल्य और कार्य सदैव जीवित रहेंगे। विशेष रूप से मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के विकास में उनका योगदान अमिट और अविस्मरणीय है।यह महाविद्यालय परिवार अपने प्रथम प्राचार्य डा डी.वी.जैसवाल के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा।

भेल कॉलेज में प्रथम प्राचार्य डॉ.जैसवाल के चित्र का अनावरण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर द्वारा

संक्षिप्त समाचार

भेल कॉलेज में प्रथम प्राचार्य डा. जैसवाल के चित्र का अनावरण

भोपाल। भेल के बाबूलाल गौर शासकीय पीजी कॉलेज के सेमीनार हाल में शुक्रवार को प्रथम प्राचार्य डा. डीवी. जैसवाल के चित्र का अनावरण राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं। डा जैसवाल ने इन चुनौतियों को आसानी से पूरा करते हुए भेल कॉलेज की पहचान प्रतिष्ठित महाविद्यालय के रूप में बनाई। इस मौके पर जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार, प्राचार्य डा संजय जैन, सदस्य तेजसिंह ठाकुर आदि उपस्थित रहे

स्वदेश भोपाल 27.12.2025

डॉ. जैसवाल के चित्र का अनावरण मंत्री कृष्णा गौर द्वारा

December 26, 2025 11:13 am
Editor: ITDC News Team

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क–आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस /आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल : बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के सेमीनार हाल में प्रथम प्राचार्य डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण कृष्णा गौर मंत्री म.प्र.शासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं। डी.वी जैसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ,प्राचार्य संजय जैन ,सदस्य तेजसिंह ठाकुर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने अपने श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि के रुप में अर्पित किए उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नवीन भवन में स्थित एक सभागार का नाम महाविद्यालय के प्रथम डी वी जैसवाल सभागार के रुप में किया गया है इस निर्णय की माननीय मंत्री कृष्णा गौर ने बहुत प्रशंसा की है वर्ष 1984 में जैसवाल को एक ऐतिहासिक दायित्व सौंपा गया—शासकीय भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य के रूप में संस्थान की स्थापना और संचालन।

यह कार्य अनेक चुनौतियों से भरा हुआ था, किंतु डी.वी जैसवाल ने अद्भुत धैर्य, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के साथ इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने जिस मजबूत नींव की स्थापना की, उसी का सुदृढ़ परिणाम आज हम इस महाविद्यालय को प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में देख पा रहे हैं। भेल कॉलेज में अपने सफल कार्यकाल के उपरांत भी डॉ. जैसवाल राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से निरंतर जुड़े रहे। उन्होंने संयुक्त संचालक, अपर संचालक, समन्वय समिति के अध्यक्ष तथा राज्य यूजीसी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा नीति, गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। डी.वी जैसवाल एक महान गणितज्ञ थे। फिबोनाची श्रेणी पर किया गया उनका शोध आज भी वैश्विक स्तर पर विद्वानों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका शैक्षणिक योगदान कालजयी है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। उनके कई शिष्य आज न केवल मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत हैं बल्कि देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी महत्वपूर्ण संस्थानों का नेतृत्व भी कर रहे हैं। यह उनके शिक्षक रूप की सबसे बड़ी उपलब्धि है। डी. वी. जैसवाल एक सच्चे मानवतावादी थे। सरलता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाता है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। आज वे हमारे बीच शारीरिक रूप से भले ही न हों, किंतु उनके विचार, मूल्य और कार्य सदैव जीवित रहेंगे। विशेष रूप से मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के विकास में उनका योगदान अमिट और अविस्मरणीय है। यह महाविद्यालय परिवार अपने प्रथम डी.वी.जैसवाल के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा ।

डॉ. जैसवाल के चित्र का अनावरण मंत्री कृष्णा गौर द्वारा

27.12.2025

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क–आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस /आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल । बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के सेमीनार हाल में प्रथम प्राचार्य डी. वी. जैसवाल के चित्र का अनावरण कृष्णा गौर मंत्री म.प्र.शासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं। डी.वी जैसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ,प्राचार्य संजय जैन ,सदस्य तेजसिंह ठाकुर सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने अपने श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि के रुप में अर्पित किए उल्लेखनीय है कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नवीन भवन में स्थित एक सभागार का नाम महाविद्यालय के प्रथम डी वी जैसवाल सभागार के रुप में किया गया है इस निर्णय की माननीय मंत्री कृष्णा गौर ने बहुत प्रशंसा की है वर्ष 1984 में जैसवाल को एक ऐतिहासिक दायित्व सौंपा गया–शासकीय भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य के रूप में संस्थान की स्थापना और संचालन। यह कार्य अनेक चुनौतियों से भरा हुआ था, किंतु डी.वी जैसवाल ने अद्भुत धैर्य, नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के साथ इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाया। उन्होंने जिस मजबूत नींव की स्थापना की, उसी का सुदृढ़ परिणाम आज हम इस महाविद्यालय को प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में देख पा रहे हैं। भेल कॉलेज में अपने सफल कार्यकाल के उपरांत भी डॉ. जैसवाल राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था से निरंतर जुड़े रहे। उन्होंने संयुक्त संचालक, अपर संचालक, समन्वय समिति के अध्यक्ष तथा राज्य यूजीसी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा नीति, गुणवत्ता सुधार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। डी.वी जैसवाल एक महान गणितज्ञ थे। फिबोनाची श्रेणी पर किया गया उनका शोध आज भी वैश्विक स्तर पर विद्वानों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका शैक्षणिक योगदान कालजयी है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। उनके कई शिष्य आज न केवल मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत हैं बल्कि देश के विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी महत्वपूर्ण संस्थानों का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

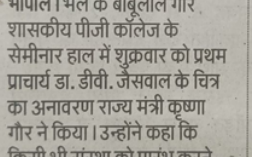

यह उनके शिक्षक रूप की सबसे बड़ी उपलब्धि है। डी. वी. जैसवाल एक सच्चे मानवतावादी थे। सरलता, विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व बनाता है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है।

आज वे हमारे बीच शारीरिक रूप से भले ही न हों, किंतु उनके विचार, मूल्य और कार्य सदैव जीवित रहेंगे। विशेष रूप से मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के विकास में उनका योगदान अमिट और अविस्मरणीय है। यह महाविद्यालय परिवार अपने प्रथम डी.वी.जैसवाल के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा ।

कार्यक्रम विवरणिकाएँ

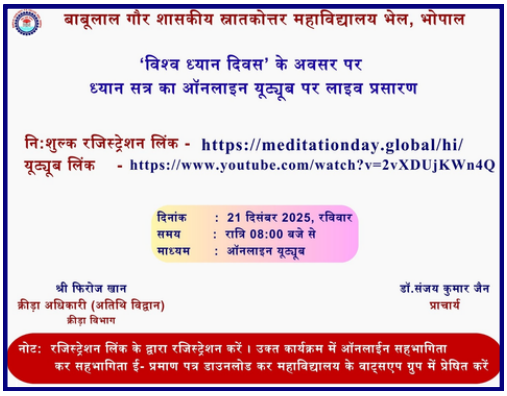

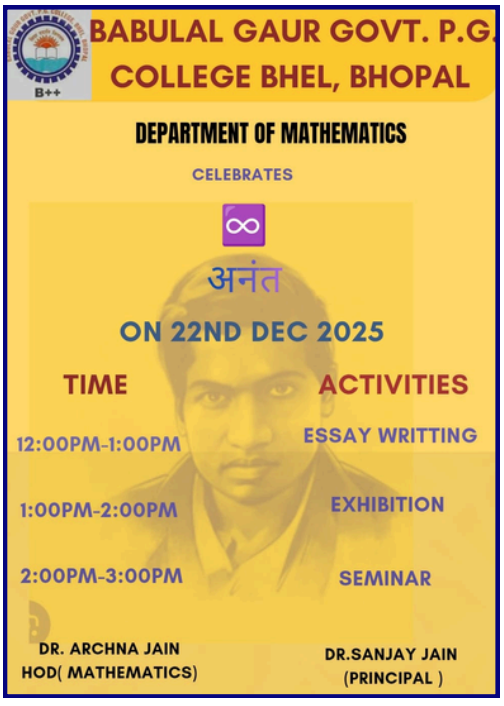

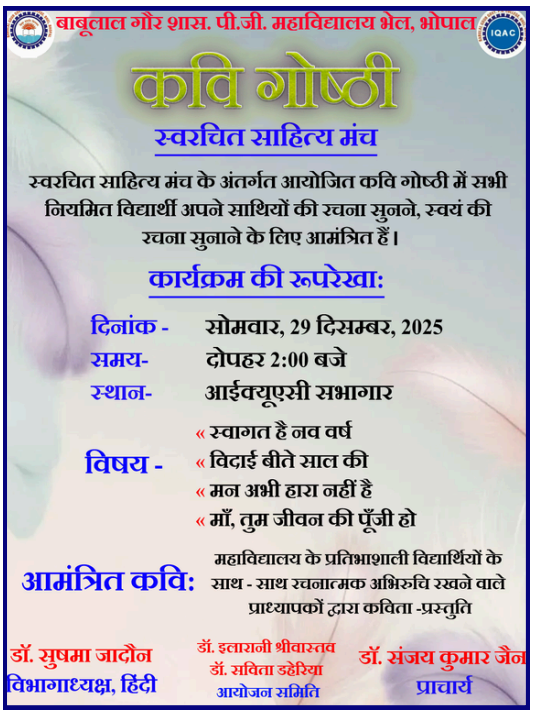

स्टूडेंट कॉर्नर

नयी कलम से.....

कब से इस मन में जो ठाना है,
इस बार बस वो कर दिखाना है,
विफलता, निराशा क्या हैं भला,,
ये तो नहीं करने का बहाना है ।

मेरी ये हालत मेरी ही वजह से है,
झूठ क्यों बोलूँ इसके पीछे जमाना है,
भाग्य को कोसना छोड़, ठान लिया है अब,
अपने हाथो ही अपना भाग्य बनाना है।

मुझे देखें लोग तो मुझसा बनना चाहें,
बस वही मकाम तुझे भी बनाना है,
पागलों सा जुनून सर पे हैं मेरे अब,
कहने दो कोई कहता है गर दीवाना है।

कुमकुम शर्मा
बी. कॉम. प्लेन तृतीय वर्ष

मैं और मेरा भविष्य

मैं एक लड़की हूँ, पर मेरी पहचान,
किसी परिभाषा की मोहताज नहीं,
मेरे सपनों से पहले, लोग सवाल पूछते हैं,
पर मैं हर सवाल से, एक जवाब गढ़ती हूँ।

कभी कहा गया- हद में रहो,
कभी कहा गया- ख्वाब छोटे रखो,
पर मेरी आँखों ने, आसमान चुन लिया,
मैं गिरती हूँ, संभलती हूँ और फिर चल पड़ती हूँ,
क्योंकि रुकना मेरी आदत नहीं।

मेरा भविष्य किसी और का फैसला नहीं,
वो मेरी मेहनत, मेरे हौसले, और मेरी आवाज का नतीजा है,
मैं आज लिख रही हूँ अपने कल की कहानी,
जहाँ एक लड़की कमजोर नहीं, खुद मुकम्मल होगी।

आदिबा खान मंसूरी
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

प्रतिक्रियाएँ ई-मेल द्वारा प्राप्त

महाविद्यालय की मासिक पत्रिका 'तरंग' में हम पूरे महीने के महाविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानते हैं और संक्षिप्त में हमें बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त होती हैं।

पायल ठाकुर
बी.कॉम. तृतीय वर्ष

तरंग स्टार

राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र प्रतीक माण्डवे का MPPSC सहायक प्राध्यापक पद पर चयन

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र प्रतीक माण्डवे का MPPSC सहायक प्राध्यापक पद पर चयन हुआ है। श्री प्रतीक माण्डवे को महाविद्यालय परिवार द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गयीं।

छात्र अनुज कुशवाह ने 800 मीटर पुरुष वर्ग दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया

जवाहरलाल नेहरू पी.जी. कॉलेज, भोपाल द्वारा टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने सहभागिता की। जिसमें एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र अनुज कुशवाह ने 800 मीटर पुरुष वर्ग दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर **गोल्ड मेडल** हासिल किया, साथ ही अखिल भारतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित कर महाविद्यालय का नाम गौरवांवित किया। छात्र अनुज कुशवाह की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन, क्रीड़ा विभाग के अतिथि विद्वान श्री फिरोज खान एवं समस्त स्टाफ ने अनुज को बधाईयाँ दीं।

ये दोनों छात्र इस अंक के 'तरंग' स्टार हैं।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल से प्रदाय छात्रवृत्ति एवं योजनाओं की जानकारी

पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति

(पूर्ण शुल्क की प्रतिपूर्ति एवं ₹ 300 प्रतिमाह निर्वाह भत्ता)

- आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये ।
- आवेदक का सरकारी संस्थान में अनिवार्य शुल्क का भुगतान करने के लिए नामांकन होना चाहिए।
- आवेदक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, या अल्पसंख्यक समुदाय का होना चाहिये एवं आवेदक के पास स्थायी जाति प्रमाण पत्र होना चाहिये ।
- आवेदक पिछली कक्षा में उत्तीर्ण होना रहना चाहिये तथा छात्रवृत्ति के लिए पात्र छात्र को अंतिम उत्तीर्ण परीक्षा में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त होने चाहिए (अल्पसंख्यक वर्ग के लिए लागू)।
- पिछड़ा वर्ग के आवेदक के माता-पिता की वार्षिक आय ₹3,00,000 रूपये से अधिक नहीं होना चाहिए एवं अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के आवेदक के माता-पिता की वार्षिक आय ₹ 6,00,000 रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- आवेदक को एक मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान में पोस्ट-मैट्रिक या पोस्ट-सेकेंडरी पाठ्यक्रम (स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा आदि) में अध्ययनरत होना चाहिए।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु आवास सहायता

(₹ 2000 प्रतिमाह)

- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए आवास सहायता योजनाओं में मुख्य रूप से आवास भत्ता सहायता योजना और अनुसूचित जाति / जनजाति छात्रावास शामिल हैं।
- केवल वे ही विद्यार्थी इस योजना की पात्रता रखते है, जिन्होनें पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ लिया हो ।
- ये योजनाएं उन विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं ,जिन्हें अपने मूल स्थान से दूर रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए किराए पर आवास लेना पड़ता है।
- आवेदक को आवेदन करने के लिए मध्यप्रदेश जनजातीय मामले और अनुसूचित जाति कल्याण स्वचालन प्रणाली (MPTAAS) पोर्टल पर जाकर पंजीकरण करना होता है और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होते हैं।

सेंट्रल सेक्टर छात्रवृत्ति

(₹ 5000 वार्षिक)

- आवेदक 12 वीं कक्षा में में संबंधित स्ट्रीम (विज्ञान, वाणिज्य, या कला) में न्यूनतम 80% अंकों से उत्तीर्ण होना चाहिये ।
- आवेदक के परिवार की वार्षिक आय ₹4.5 लाख से कम होना चाहिये ।
- आवेदक छात्र को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से नियमित स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकित होना चाहिये ।
- आवेदक का बैंक खाता आधार कार्ड से लिंक होना अनिवार्य है।
- आवेदक को आवेदन के साथ जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मार्कशीट, बैंक पासबुक और आधार कार्ड जैसे सभी दस्तावेज जमा करना अनिवार्य है ।

गाँव की बेटी योजना

(₹ 5000 वार्षिक)

- आवेदिका मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी होनी चाहिये ।
- आवेदिका किसी सरकारी या गैर-सरकारी कॉलेज या विश्वविद्यालय में स्नातक में अध्ययनरत होना चाहिये ।
- आवेदिका 12वीं कक्षा गाँव के ही स्कूल से उत्तीर्ण की होना चाहिये एवं 12 वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त होने चाहिए।
- गाँव की बेटी योजना का लाभ सभी वर्गों की छात्राओं को मिलता है।

प्रतिभा किरण योजना

(₹ 5000 वार्षिक)

- छात्रा 12 वीं कक्षा की परीक्षा शहर में रहकर शहर के स्कूल से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना चाहिए ।
- छात्रा म.प्र. की मूल निवासी होना चाहिए ।
- गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवार का प्रमाण-पत्र (बी.पी.एल कार्ड) होना अनिवार्य है ।
- छात्रा का बैंक में स्वयं के नाम का खाता होना चाहिए । जो कि छात्रा के आधार कार्ड से लिंक एवं आधार कार्ड से सीडिंग हो ।
- म.प्र. उच्च शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार प्रतिभा किरण योजना प्रोत्साहन राशि के रूप में मान्य है । छात्राएँ म.प्र. शासन की अन्य छात्रवृत्तियों के साथ प्रतिभा किरण योजना का लाभ ले सकती है ।

मुख्यमंत्री मेधावी योजना

(पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति)

- आवेदक के पास सक्षम अधिकारी का मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण-पत्र पात्र होना चाहिए।
- पिता का सक्षम अधिकारी का आय प्रमाण- पत्र (नवीनतम) हो जिसमें वार्षिक आय रूपयें 8,00,000/- रूपये (आठ लाख रूपये) से कम प्रदर्शित हो।
- 12वीं / हायर सेकेण्डरी परीक्षा MP Board से 70% या अधिक अंकों से उत्तीर्ण हो अथवा 12वीं / हायर सेकेण्डरी परीक्षा CBSE Board से 85% या अधिक अंकों से उत्तीर्ण हो ।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना

(पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति)

- आवेदक के माता-पिता का मध्यप्रदेश श्रम विभाग में असंगठित कर्मकार के रूप में पंजीकृत होना चाहिये ।
- आवेदक का आधार नंबर और माता-पिता का असंगठित कर्मकार पंजीयन क्रमांक ऑनलाइन आवेदन में दर्ज करना अनिवार्य है।
- आवेदक को प्राप्तांको, आय एवं जाति का कोई बंधन नहीं है ।
- आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए ।
- संबल सदस्य ने शासन को किसी अन्य योजना का लाभ नहीं लिया है, की पुष्टि कम्प्यूटर पर होने पर ही योजना का लाभ दिया जाता है ।
- मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना (MMJKY) योजना स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनो स्तर पर लागू है ।
- असंगठित कर्मकार का पंजीयन कार्ड Expired नहीं होना चाहिए ।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

BABULAL GAUR GOVT. P.G. COLLEGE, BHEL, BHOPAL

SMIS

Student MIS Portal

Registration Link- https://babulalgaurgpgcollegebhelbhopal.co.in/

Contact Person- Dr. Arun Sen, Mob. No. 9755365563, Mr. Rahul Vanshkar, Mob. No. 9399988690

सभी नियमित विद्यार्थियों को उपरोक्त में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, स्टॉफ, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय रहवासियों के लिये किसी भी प्रकार की मानसिक, पारिवारिक, कॅरियर संबंधी सामाजिक, समस्या निराकरण हेतु

निःशुल्क परामर्श

प्रति सोमवार, मंगलवार

दोपहर 12 बजे से, कक्ष क्रं. 9

प्रोफेसर रजनीश जैन, मनोचिकित्सक
सेवानिवृत्त, Govt. College Of Educational Psychology and Guidance Jabalpur द्वारा

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल

माह-जनवरी 2026 के कार्यक्रम

विश्व हिंदी दिवस

राष्ट्रीय युवा दिवस

बसंत पंचमी

योग प्रशिक्षण

12 से 26 जनवरी 2026 तक

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

गणतंत्र दिवस

मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियाँ

जुड़िए हमारे NEWS Letter

TARANG SE

तरंग से

विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि 'स्टूडेंट कॉर्नर' के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः- डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)
डॉ. दीक्षा बरडे, डॉ. वर्षा चौहान
श्री संजय साहू (कम्प्यूटर वर्क)